कोटद्वार, गुरूवार
6 नवम्बर 2025
वर्ष: 47
अंक: 174 पृष्ठ: 4
मूल्य: 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com

स्थापित 1979

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

हरिद्वार में कार्तिक पूर्णिमा स्नान के लिए उमड़े श्रद्धालु

हरिद्वार, हरिद्वार में बुधवार को कार्तिक पूर्णिमा स्नान पर लाखों श्रद्धालुओं ने गंगा में आस्था की डुबकी लगाई। गंगा घाटों पर आस्था और श्रद्धा का अद्भुत संगम दिखा। तड़के से ही लोग हरकी पैड़ी और अन्य गंगा घाटों पर पहुंचने लगे थे। मौसम में ठंडक होने के बावजूद गंगा स्नान के लिए बाहरी राज्यों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। इस दौरान हाईवे पर जाम भी लगा। बुधवार को हरकी पैड़ी समेत अन्य गंगा घाटों में श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। श्रद्धालुओं ने स्नान के बाद देव दर्शन कर दान पुण्य आदि कर्म भी किए। अपर रोड बाजार, मोती बाजार, मनसा देवी बाजार में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ रही। इसके चलते शहर की सभी पार्किंग वाहनों से खचाखच भरी रहीं। मजबूरी में कई श्रद्धालुओं को अपने वाहन शहर के अंदर सड़कों के किनारे खड़े करने पड़े। कार्तिक पूर्णिमा का स्नान तड़के शुरू हो गया था।

200 रुपये के विवाद में मजदूर ने की मिस्त्री की हत्या

हरिद्वार। शांतिकुंज के पास मजदूरी कर रहे राज मिस्त्री की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत का खुलासा हो गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में उसकी गला दबाकर हत्या की पुष्टि हुई है। पुलिस ने साथी मजदूर को नामजद कर हत्या का मुकदमा दर्ज कर लिया है। बताया जा रहा है कि 200 रुपये के लिए मजदूर ने मिस्त्री की हत्या की है। पुलिस के अनुसार, मूलरूप से शाहजहांपुर जिले के पुवायां कस्बा निवासी 35 वर्षीय रामनिवास शांतिकुंज के पास भोपतवाला क्षेत्र में राज मिस्त्री का काम करता था। 13 अक्तूबर की रात वह अपने साथी मजदूर सतेंद्र निवासी ग्राम खटकी, थाना परीक्षित गढ़, जिला मेरठ के साथ भोजन कर रहा था। इसी दौरान दोनों के बीच 200 रुपये को लेकर विवाद हो गया। आरोप है कि विवाद बढ़ने पर सतेंद्र ने रामनिवास का गला दबाकर हत्या कर दी।

लाखामंडल में स्कूल के नीचे जंगल में आग लगने से मचा हड़कंप

विकासनगर। लाखामंडल क्षेत्र में बुधवार को एटीएस स्कूल के नीचे जंगल में अचानक आग लग गई। जिससे आसपास के क्षेत्र में अफरा–तफरी मच गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार पहले हल्का धुआं उठता दिखाई दिया, जिसके कुछ ही देर बाद आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। देखते ही देखते लपटें तेजी से फैलने लगीं और आसपास रखा सूखा घास तथा चारा जलकर राख हो गया। आग की सूचना मिलते ही ग्रामीणों के साथ–साथ लाखामंडल चौकी स्टाफ मौके पर पहुंच गया। चौकी इंचार्ज नवीन खन्ना के नेतृत्व में पुलिस टीम ने ग्रामीणों के सहयोग से आग पर काबू पाने का प्रयास शुरू किया। थोड़ी ही देर में नौगांव केंद्र से अग्निशमन दल और वन विभाग की टीम भी मौके पर पहुंची, जिनकी संयुक्त कोशिशों से आग पर नियंत्रण पाया जा सका। ग्राम प्रधान वीना भट्ट, शंकर रावत, जगमोहन, जयपाल राणा सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण आग बुझाने के कार्य में जुटे रहे। ग्रामीणों ने बताया कि सर्दियों में पालतू पशुओं के लिए चारा स्वरूप काटा गया घास पूरी तरह जल गया है। जिससे आगामी समय में उन्हें भारी परेशानी का सामना करना पड़ेगा। पुलिस व प्रशासन के त्वरित प्रयासों से किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। आग लगने के कारणों का अभी स्पष्ट पता नहीं चल पाया है, फिलहाल चौकी पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

हरिद्वार कूच कर रहे सिखों को चौक पर रोका, पुलिस से नोकझोंक

हरिद्वार। ज्ञान गोदड़ी गुरुद्वारे को लेकर हरकी पैड़ी जा रहे सिखों को पुलिस ने बुधवार को घोंटी चौक, पथरी पर रोक दिया। इस दौरान उनकी पुलिस से तीखी नोकझोंक हुई। ट्रैक्टर से बैरिकेड तोड़ने की कोशिश भी की गई, लेकिन पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को आगे बढ़ने नहीं दिया।

अनुमति नहीं होने की बात कहकर पुलिस ने सभी को वापस भेज दिया। बाद में प्रतिनिधिमंडल ने एसडीएम को ज्ञापन सौंपा। कार्तिक पूर्णिमा पर ऐथल, दिनारपुर, चिट्टी कोटि, कलंदरी डेरा, शहदेवपुर आदि गांवों से सैकड़ों सिख हरिद्वार कूच पर निकले थे। उनका कहना था कि प्रेम नगर आश्रम के पास लंबे समय से ज्ञान गोदड़ी गुरुद्वारा निर्माण की मांग चल रही है।

पेंशन में अब मनमानी कटौती नहीं

केंद्रीय कर्मचारियों और पेंशनर्स को लेकर सरकार ने लिया बड़ा फैसला

नई दिल्ली , केंद्र सरकार ने करोड़ों केंद्रिय कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को राहत देते हुए स्पष्ट कर दिया है कि एक बार अधिकृत (फाइनल) की गई पेंशन/परिवारिक पेंशन में कटौती नहीं होगी, जब तक कि उसमें स्पष्ट लेखन/क्लेरिकल या गणना संबंधी त्रुटि साबित न हो। यह आदेश कर्मचारी, लोक शिकायत एवं पेंशन मंत्रालय के पेंशन एवं पेंशनभोगी कल्याण विभाग ने जारी किया है। नई व्यवस्था के अनुसार, यदि किसी पेंशन या पारिवारिक पेंशन में कोई त्रुटि दो साल से अधिक समय बाद पाई जाती है, तो उसे घटाने से पहले पेंशन एवं पेंशनभोगी कल्याण विभाग से मंजूरी लेना अनिवार्य होगा। कार्यालय ज्ञापन में कहा गया है– 'एक बार जब पेंशन या पारिवारिक पेंशन को अंतिम रूप से अधिकृत कर दिया गया है या , 2021 के नियम 66(1) के तहत संशोधित किया गया है, तो उसे पेंशनर के नुकसान में तब तक संशोधित नहीं किया जा सकता, जब तक कि कोई क्लेरिकल गलती न पाई जाए। विभाग ने आगे कहा, 'यदि ऐसी गलती पेंशन तय होने या संशोधित होने की तारीख से दो साल बाद पाई जाती है, तो सहमति के बिना पेंशन या पारिवारिक पेंशन में किसी प्रकार की कमी नहीं की जाएगी। यह कदम इसलिए अहम है क्योंकि पहले कई बार सेवानिवृत्ति के कई साल बाद भी विभाग त्रुटिपूर्ण गणना का हवाला देकर पेंशन घटा देता था या रिकवरी नोटिस भेज देता था। अब यह प्रथा बंद हो जाएगी।

गलती से ज्यादा पेंशन मिली तो क्या होगा?

यह भी स्पष्ट किया है कि यदि किसी पेंशनर को गलती से ज्यादा भुगतान मिल गया है और वह उसकी गलती या गलत जानकारी के कारण नहीं हुआ, तो संबंधित मंत्रालय को यह तय करना होगा कि वह राशि वापस ली जाए या माफ की जाए। इसके लिए मंत्रालय को एक्पेंडिचर डिपार्टमेंट से परामर्श करना होगा। यदि राशि वापस लेने का निर्णय किया जाता है, तो पेंशनर को दो महीने का नोटिस दिया जाएगा ताकि वह रकम लौटा सके। यदि पेंशनर ऐसा नहीं करता, तो राशि भविष्य की पेंशन किस्तों से किस्तों में वसूली जा सकती है। ऑफिस मेमोरेंडम में कहा गया है, 'यदि पेंशन या पारिवारिक पेंशन के संशोधन के बाद यह पाया जाता है कि पेंशनर को अतिरिक्त भुगतान हो गया है, और यह किसी गलत जानकारी के कारण नहीं हुआ है, तो संबंधित मंत्रालय को व्यय विभाग से परामर्श कर यह निर्णय लेना होगा कि वसूली की जाए या माफ की जाए।

जम्मू–कश्मीर के किश्तवाड़ में सुरक्षाबलों की आतंकियों से मुठभेड़, फायरिंग में एक जवान घायल

किश्तवाड़ , जम्मू–कश्मीर के किश्तवाड़ जिले के छत्रू क्षेत्र के कलाबन जंगल में आज सुबह सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ हुई। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, आतंकियों की गोलीबारी में एक जवान घायल हुआ है, जिसे उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया है। व्हाइट नाइट कॉर्प्स ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बताया कि पुलिस को इलाके में आतंकियों की मौजूदगी की सूचना मिली थी, जिसके बाद सेना, पुलिस और सीआरपीएफ ने संयुक्त अभियान शुरू किया। इस ऑपरेशन को 'छत्रू ऑपरेशन नाम दिया गया है। मौके पर दोनों ओर से फायरिंग जारी है और पूरे इलाके को सुरक्षा बलों ने घेर लिया है। सूत्रों का कहना है कि क्षेत्र में दो से तीन आतंकियों के छिपे होने की आशंका है। जानकारी के मुताबिक, किश्तवाड़ के छत्रू इलाके में यह आतंकी समूह पिछले कुछ महीनों से सक्रिय है। पिछले एक वर्ष में उंचाई वाले जंगलों में कई बार संदिग्ध गतिविधियां देखी गई हैं। सुरक्षाबल लगातार इनकी निगरानी कर रहे थे और हाल के महीनों में कई बार ऐसे अभियानों को अंजाम दिया गया है।

बदरीनाथ में हुई बर्फबारी, पर्यटकों ने उठाया लुफ्त

चमोली : बदरीनाथ धाम में मंगलवार रात से शुरू हुई बर्फबारी बुधवार सुबह तक जारी रही। हालांकि बुधवार सुबह हल्की ही बर्फबारी हुई। श्रद्धालुओं ने प्रकृति के सुंदर नजारों के बीच भगवान बदरी विशाल के दर्शन किए। बदरीनाथ मंदिर के चारों ओर की पहाड़ियों ने सफेद चादर ओढ़ ली है। धाम में हुई बर्फबारी का तीर्थयात्रियों ने भी जमकर लुत्फ उठाया। बदरीनाथ धाम के कपाट आगामी 25 नवंबर को शीतकाल के लिए बंद हो जाएंगे। धाम के कपाट बंद होने से पहले यहां बर्फबारी हो गई है। जिससे मौसम में जबरदस्त ठंडक आ गई है। चमोली जनपद के निचले क्षेत्रों में भी हल्की धूप खिलने के साथ ही आसमान में बादल छाए हैं। ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बूंदाबांदी हुई। बदरीनाथ धाम में बर्फबारी के बाद यहां का नजारा मनमोहक लग रहा है। चारों ओर बर्फ की सफेद चादर बिछी हुई है। तीर्थयात्री भी बर्फ के साथ अपनी फोटो खिंचवाकर इन पलों को अपने मोबाइल फोन में कैद कर रहे हैं। (एजेंसी)

केदारनाथ धाम में रातभर हुई बर्फबारी

रुद्रप्रयाग : केदारनाथ धाम सहित हिमालय के ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी होने लगी है। मंगलवार रात केदारनाथ धाम सहित सम्पूर्ण क्षेत्र में अच्छी बर्फबारी हुई है। हालांकि बर्फबारी के चलते यहां निर्माण कार्यों में लगे करीब 120 मजदूर और अन्य लोगों को मुश्किलें उठानी पड़ीं।

हिमालयी क्षेत्रों में बर्फबारी होने का सिलसिला शुरू हो गया है। इस साल कपाट बंद होने से पहले ही धाम में बर्फबारी होने लगी थी। हालांकि तब बर्फ यहां जमा नहीं हो रही थी, किंतु बीती रात अच्छी बर्फबारी हुई है। धाम में करीब 2 इंच बर्फ जमा हो गई है। बीती रात 8 बजे से केदारनाथ धाम में बर्फबारी हुई जो रात तक तेज हो गई। जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी नंदन सिंह रजवार ने बताया कि केदारनाथ में बीती रात अच्छी बर्फबारी हुई है। जिससे धाम में पहले की तुलना ठंड बढ़ गई है।

विकास भी, विरासत भी के संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है राज्य : धामी

मुख्यमंत्री ने किया प्रवासी उत्तराखंडी सम्मेलन का शुभारंभ,प्रवासी उत्तराखंडी हैं देवभूमि के सच्चे ब्रांड एम्बेसडर

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को दून विश्वविद्यालय में राज्य स्थापना के रजत रजत जयंती समारोह के अंतर्गत आयोजित ह्लप्रवासी उत्तराखंडी सम्मेलनह्व का शुभारंभ किया। इस अवसर पर प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में आई आपदाओं में जान गंवाने वालों के प्रति श्रद्धांजलि स्वरूप एक मिनट का मौन भी रखा गया।

मुख्यमंत्री ने सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि प्रवासी उत्तराखंडी देवभूमि की संस्कृति, परंपराओं और मातृभूमि के गौरव को नई ऊंचाइयों तक पहुंचा रहे हैं। प्रवासी उत्तराखंडी देवभूमि के सच्चे ब्रांड एम्बेसडर हैं। कहा कि उत्तराखंड की विशिष्ट लोक संस्कृति, भाषा और बोली में झलकने वाली आत्मीयता हमें विश्वभर में जोड़ती है। उन्होंने कहा कि प्रवासी उत्तराखंडी जहां भी रहते हैं, अपने साथ देवभूमि की संस्कृति और अपनी

मिट्टी की सुगंध लेकर चलते हैं। राज्य सरकार ने प्रवासी उत्तराखंड परिषद का गठन इसी उद्देश्य से किया है, ताकि उनके सुझाव और अनुभव राज्य के विकास की मुख्यधारा में शामिल किए जा सकें। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के अनेक प्रवासी स्वयं अपने गांवों को गोद लेकर विकास में योगदान दे रहे हैं। कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में उत्तराखंड सरकार ह्लविकसित भारत, विकसित उत्तराखंडह्व के लक्ष्य की दिशा में निरंतर आगे बढ़ रही है। कहा कि शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, खेल, पेयजल और हवाई कनेक्टिविटी जैसे क्षेत्रों में राज्य ने उल्लेखनीय प्रगति की है। एक जनपद दो उत्पाद, हाउस ऑफ हिमालयाज, स्टेट मिलेट मिशन, नई पर्यटन नीति, वेड इन उत्तराखंड और ह्लसौर स्वरोजगार योजना जैसी योजनाओं से स्थानीय अर्थव्यवस्था में नई ऊर्जा आई है।

पूर्व मुख्यमंत्री और महाराष्ट्र के पूर्व राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी ने कहा कि हमारी देवभूमि का रहस्य और विरासत ईमानदारी तथा परिश्रम में निहित है। इसके कारण उत्तराखंड का व्यक्ति देश-विदेश में अपनी प्रतिभा, कर्मठता और ईमानदारी से कार्य करता है। कहा कि हमें अपनी ताकत को पहचानना होगा। आज अनेक मानकों में उत्तराखंड देश के अग्रणी राज्यों में है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का भी उत्तराखंड के प्रति विशेष लगाव है।

महिला सिपाही पर विक्रम चढ़ाने का प्रयास – एक दिन पहले दी थी धमकी

देहरादून। एसपी ट्रैफिक लोकजीत सिंह ने बताया कि तहसील चौक पर विक्रम चालक लेफ्ट टर्न घेर लेते हैं। यहां ट्रैफिक ड्यूटी में लगने वाले कर्मचारियों को चौक पर लेफ्ट टर्न फ्री रखवाने के निर्देश दिए गए हैं। यहां पिछले कई दिनों से ट्रैफिक में तैनात महिला कांस्टेबल रेशमा ड्यूटी कर रही हैं। रेशमा ने कहा कि कई विक्रमों को लेफ्टटर्न घेरने पर नो पार्किंग से हटवाया। इसमें विक्रम यूके 07 टीबी 1742 के चालक को दो और तीन नवंबर को हटवाया गया। तीन नवंबर को आरोपी चालक जाते वक्त महिला कांस्टेबल को धमकी देकर गया कि तुझे मैं कल का सूरज नहीं देखने दूंगा। रेशमा ने इसे सामान्य तरीके से लिया। आरोप है चार नवंबर को फिर आरोपी चालक तहसील चौक पर पहुंचा। इस दौरान रेशमा पर बदनीयती से विक्रम चढ़ाने का प्रयास किया। महिला सिपाही पीछे की तरफ दौड़कर विक्रम की चपेट में आने से बची। एसपी ट्रैफिक लोकजीत सिंह ने बताया कि मामला संज्ञान में आने पर आरोपी विक्रम चालक के खिलाफ केस दर्ज कराने के निर्देश दिए गए।

वोट चोरी पर राहुल गांधी की प्रेस कॉन्फ्रेंस

कहा–ब्राजील की मॉडल ने हरियाणा में वोट डाला

नई दिल्ली , बिहार में वोटिंग से एक दिन पहले कांग्रेस सांसद राहुल गांधी प्रेस कॉन्फ्रेंस कर रहे हैं. राहुल हाल में हुए हरियाणा विधानसभा चुनाव को लेकर खुलासा कर रहे हैं. राहुल ने कहा कि हरियाणा– महाराष्ट्र, कर्नाटक और छत्तीसगढ़ में हमने वोटों की चोरी पकड़ी लोकसभा नेता राहुल गांधी चुनाव आयोग और मोदी सरकार पर आरोप लगते हुए कहा ने कहा यह महिला कौन है? इसने हरियाणा में 10 अलग–अलग बूथों पर 22 बार वोट डाला। इसके कई नाम हैं...इसका मतलब है कि यह एक केंद्रीकृत ऑपरेशन है...यह महिला एक ब्राज़ीलियाई मॉडल है। यह एक स्टॉक फोटो है। यह हरियाणा में ऐसे 25 लाख रिकॉर्डों में से एक है कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा, ...मैं चाहता हूं कि भारत के युवा, त्रद्गठ्ठ इसे स्पष्ट रूप से समझें क्योंकि यह आपके भविष्य के बारे में है...मैं भारत में

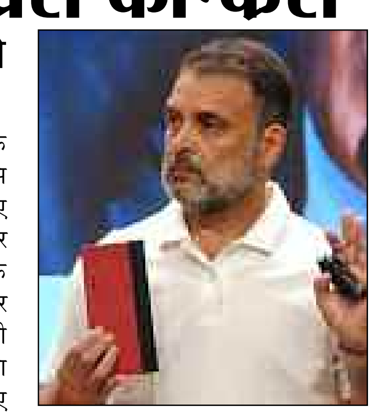

चुनाव आयोग, लोकतांत्रिक प्रक्रिया पर सवाल उठा रहा हूं, इसलिए मैं इसे 100त्न सबूत के साथ कर रहा हूं। हमें पूरा यकीन है कि कांग्रेस की भारी जीत को हार में बदलने की योजना बनाई गई थी...कृपया उनके (मुख्यमंत्री नायब सैनी) चेहरे पर मुस्कान और उस व्यवस्था पर ध्यान दें, जिसकी हरियाणा के मुख्यमंत्री बात कर रहे हैं राहुल गांधी ने कहा मैं सत्य के दूत गुरु नानक जी को याद करके शुरुआत करना चाहूंगा, जिन्होंने भारत को धर्म का मार्ग दिखाया।

8वें भारत–जापान हिंद–प्रशांत फोरम 2025 में शामिल हुए जयशंकर

कहा– 10 सालों में 10 ट्रिलियन येन के निवेश का है लक्ष्य

नई दिल्ली ,भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर 8वें भारत–जापान हिंद–प्रशांत फोरम में शामिल हुए। इस कार्यक्रम में अपने संबोधन के दौरान विदेश मंत्री ने भारत और जापान के संबंधों का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि पिछले दशकों में भारत और जापान के बीच के संबंध और भी गहरे हुए हैं। भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा, मुझे इस संवाद के नवीनतम संस्करण को एक बार फिर संबोधित करते हुए खुशी हो रही है। दिल्ली पॉलिसी ग्रुप और जापान इंस्टीट्यूट ऑफ इंटरनेशनल अफेयर्स को मेरी बधाई। हमारी साझेदारी, जो पिछले दशकों में पहले से कहीं अधिक एक–दूसरे पर

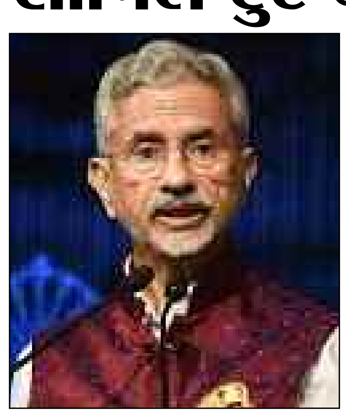

निर्भर रही है, हिंद–प्रशांत क्षेत्र में रणनीतिक स्थिरता को बढ़ाने और वैश्विक स्तर पर आर्थिक स्थिरता में योगदान देने का काम करती है। एक स्वतंत्र और खुला हिंद–प्रशांत क्षेत्र बनाए रखना एक मजबूत तुलनात्मक और साथ ही एक जटिल चुनौती भी है। उन्होंने आगे कहा, बदलते वैश्विक परिदृश्य के अनुरूप एक द्विपक्षीय संबंध, जो विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग को गहरा करने में परिलक्षित होता है। प्रधानमंत्री मोदी और प्रधानमंत्री ताकाइची के बीच पदभार ग्रहण करते ही हुई हालिया बातचीत इस बात का प्रमाण है कि दोनों इसे कितनी प्राथमिकता देते हैं। अगस्त में प्रधानमंत्री मोदी की जापान यात्रा ने अगले दशक के संयुक्त दृष्टिकोण को महत्वपूर्ण रूप से रेखांकित किया। अगले 10 वर्षों में 10 ट्रिलियन येन का निवेश लक्ष्य है।

उन्होंने आगे कहा, भविष्य में, भारत–जापान साझेदारी को अपनी आपूर्ति श्रृंखलाओं को मजबूत करने और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, सेमी कंडक्टरों, महत्वपूर्ण खनिजों, स्वच्छ ऊर्जा और अंतरिक्ष में निवेश करने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

शारदा नदी में डूबा पीलीभीत का युवक

चम्पावत। टनकपुर शारदा नदी में एक युवक डूब गया। जल पुलिस और एसडीआरएफ डूबे युवक की तलाश में जुटी है। पीलीभीत निवासी युवक स्नान करते वक्त शारदा नदी की लहरों की चपेट में आ गया। भूड़ा विक्रमपुर, थाना बरखेड़ा पीलीभीत निवासी 23 वर्षीय राहुल पुत्र हरिशंकर साथियों के साथ बूम काकड़ घाट के निकट शारदा नदी में स्नान कर रहा था। बताया जाता है कि स्नान करते वक्त राहुल शारदा नदी के तेज बहाव में डूब गया। सूचना मिलने पर बूम चौकी पुलिस, एसडीआरएफ और जल पुलिस ने मौके पर पहुंच कर डूबे श्रद्धालु की ढूंढ खोज शुरू की। प्रभारी कोतवाल पूरन सिंह तोमर ने बताया कि पीलीभीत निवासी युवक स्नान के दौरान बूम के निकट शारदा नदी में डूबा है। बताया कि एसडीआरएफ और जल पुलिस डूबे युवक की तलाश कर रही है।

मिर्जापुर के चुनार रेलवे स्टेशन पर बड़ा हादसा :

कालका एक्सप्रेस की चपेट में आने से 6 श्रद्धालुओं की मौत

मिर्जापुर ,उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर के चुनार स्टेशन में बुधवार को एक ट्रेन की चपेट में आए छह यात्रियों की मौत हो गई है। हादसा इतना भयंकर था कि यात्रियों के क्षत–विक्षत शव के टुकड़े पटरियों पर बिखर गए। सीएम योगी ने अधिकारियों को तत्काल मौके पर पहुंचकर राहत कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं। मिर्जापुर के जीआरपी इंस्पेक्टर राघवेंद्र सिंह ने कहा कि यात्री ट्रेन से उतरे, वहीं दूसरी तरफ से आई ट्रेन ने टक्कर मार दी, जिस कारण हादसा हो गया है। इस हादसे में छह लोगों की मौत हो गई। मौके पर राहत बचाव का कार्य चल रहा है। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि मिर्जापुर जिले के चुनार जंक्शन पर कुछ यात्री ट्रेन से उतरकर गलत दिशा में रेलवे ट्रैक पार कर रहे थे। तभी तीन नंबर

प्लेटफॉर्म से कालका मेल गुजरी। यात्री इसकी चपेट में आ गए। हादसा इतना भयंकर था कि यात्रियों के चिथड़े उड़ गए। बताया जा रहा है कि सभी यात्री गंगा स्नान करके दक्षिणांचल लौट रहे थे। हादसे का संज्ञान उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लिया है। सीएम योगी ने मृतकों के शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। उन्होंने अधिकारियों को तत्काल मौके पर पहुंचकर राहत कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं। सीएम योगी ने एसडीआरएफ और एनडीआरएफ की टीमों को मौके पर पहुंचकर राहत कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने घायलों के समुचित उपचार के लिए बोला है। सीएम योगी ने घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है। वहां मौजूद लोगों ने बताया कि सभी सोनभद्र की ओर से आने वाली प्रयागराज बरवाडीह पैसेंजर ट्रेन से बुधवार की सुबह चुनार रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर चार पर पहुंचे थे। वहां से वाराणसी की ट्रेन पकड़ने के लिए उन्हें प्लेट-फार्म पर जाना था। उन्होंने रेलवे ट्रैक से ही दूसरे प्लेटफार्म पर जाने की कोशिश की।

बिहार विधानसभा चुनाव में गूंज रहे यूपी के मुद्दे, सियासी तापमान बढ़ा

लखनऊ ,बिहार विधानसभा चुनाव के प्रचार में इस बार उत्तर प्रदेश की गूंज साफ सुनाई दे रही है। सत्तारूढ़ भाजपा से लेकर समाजवादी पार्टी तक, हर दल के नेता बिहार की जनता को अपने–अपने यूपी मॉडल का हवाला दे रहे हैं। यूपी के बुलडोजर से लेकर सड़कों और कानून व्यवस्था तक, बहसें बिहार के मंचों पर गूंज रही हैं।

सियासी जानकार मानते हैं कि यह चुनाव 2027 के यूपी विधानसभा चुनाव की रणनीति का भी रिहर्सल बनता जा रहा है। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उपमुख्यमंत्री और कई मंत्री बिहार में चुनाव प्रचार कर रहे हैं। उनकी सभाओं में यूपी के विकास, कानून–व्यवस्था और राम मंदिर, काशी विश्वनाथ धाम और प्रयागराज कुंभ जैसे उदाहरण प्रमुखता से गूंज रहे हैं। वहीं, विपक्षी दल इन दावों

को चुनौती देते हुए दलितों–पिछड़ों और अल्पसंख्यकों के उत्पीड़न, नाम बदलने की राजनीति और माफिया संरक्षण जैसे मुद्दे उठा रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मोहिउद्दीननगर में चुनावी सभा में कहा कि समाजवादी पार्टी ने रामभक्तों पर गोली चलाई थी, कांग्रेस के नेता आज छठ मैया पर सवाल उठा रहे हैं। यूपी में हमने सिर्फ नाम नहीं बदले, बल्कि काम से प्रदेश का नाम दुनिया में रोशन किया है। उन्होंने कहा कि अयोध्या में राम मंदिर बन रहा है, काशी में विश्वनाथ धाम तैयार है और प्रयागराज में दिव्य कुंभ का आयोजन हुआ। सीएम योगी ने आगे कहा कि अब बिहार में भी माफिया पर बुलडोजर चलेगा, क्योंकि यूपी का बुलडोजर न थमने वाला है, न डरने वाला। वहीं, सपा के मुखिया अखिलेश यादव ने पूर्वी चंपारण में आयोजित सभा में कहा कि बिहार में भाजपा का सफाया तय है। यूपी के एक एकरंगी नेता को नाम बदलने की बीमारी है, वे हर चीज बदलते हैं, नाम, वेशभूषा और यहां तक कि विचार भी। उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा कि अब यूपी की जनता उन्हें बदलने वाली है। अखिलेश ने कहा कि समाजवादी सरकार ने एक्सप्रेस–वे जैसी सड़कें बनाईं, जबकि भाजपा सरकार ने नकल की पर भ्रष्टाचार जोड़ दिया। हम और तेजस्वी यादव मिलकर यूपी–बिहार को दिल्ली से जोड़ने का विजन लेकर चल रहे हैं। राजनीतिक विश्लेषक गिरीश पांडेय मानते हैं कि बिहार और पूर्वांचल की सामाजिक–सांस्कृतिक समानता इस बार के चुनाव को दिलचस्प बना रही है।

उन्होंने यह भी कहा कि यूपी एक साल बाद चुनावी मोड में जाएगा, इसलिए दोनों दल बिहार में अपनी छवि गढ़ने की कोशिश में हैं। वहीं, वरिष्ठ विश्लेषक रतन मणि लाल के अनुसार बिहार चुनाव में योगी की छवि भाजपा की बड़ी पूंजी बन गई है। यूपी में निवेश और कानून व्यवस्था के परसेप्शन ने वहां भी असर डाला है।

युवक ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

काशीपुर। एक युवक ने संदिग्ध परिस्थिति में फांसी लगा ली। परिजनों ने उसे सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मोहल्ला पक्काकोट काली मंदिर के पास निवासी 25 वर्षीय श्याम पुत्र प्रेम सिंह अपनी मां दयावती के साथ रहता था।

मंगलवार की रात करीब नौ बजे उसने संदिग्ध परिस्थिति में कमरे में दुपट्टे से फांसी लगा ली। मृतक के बड़े भाई सूरज ने उसे फांसी के फंदे से उतारकर एलडी भट्ट सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक अविवाहित था। परिजनों ने बताया कि वह पांच भाइयों में सबसे छोटा था। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराने के बाद परिजनों को सौंप दिया।

एनसीईआरटी ने किया बड़ा बदलाव:

9वीं से 12वीं का नया सिलेबस होगा लागू

नई दिल्ली ,देश की स्कूली शिक्षा में बड़े बदलाव की प्रक्रिया जारी है। इसी कड़ी में नेशनल काउंसिल ऑफ एजुकेशन रिसर्च ट्रेनिंग 9वीं से 12वीं कक्षा के लिए नया सिलेबस लागू करने की तैयारियों में जुट गया है। एक्सपर्ट कमेटी नए सिलेबस के अनुरूप नई किताबें तैयार कर रही है। इस बड़े बदलाव के लागू होने के बाद पुराने सिलेबस से पढ़कर आने वाले कुछ छात्रों को एक अनिवार्य 'ब्रिज कोर्सझ् भी करना होगा। बता दें कि इससे पूर्व, एनसीईआरटी कक्षा 1 से 8 तक के नए सिलेबस के अनुरूप किताबें तैयार कर चुका है, जिन्हें स्कूलों में लागू किया जा चुका है।

कब लागू होगा नया सिलेबस और कब आएंगी किताबें?

एनसीईआरटी की योजना के मुताबिक, 9वीं से 12वीं तक का नया सिलेबस शैक्षणिक सत्र 2026–27 से लागू किया जाएगा। इसको देखते हुए नई किताबों पर तेजी से काम चल रहा है।

जानकारी के मुताबिक, 9वीं और 11वीं कक्षा की नई किताबें अगले साल फरवरी तक उपलब्ध हो जाएंगी, जबकि 10वीं और 12वीं की नई किताबें जुलाई तक उपलब्ध होने की संभावना है।

क्यों बदला जा रहा है सिलेबस?

9वीं से 12वीं कक्षा का यह नया सिलेबस नेशनल करिकुलम फ्रेमवर्क के आधार पर तैयार कर रहा है।

सम्पादकीय

प्रवासी उत्तराखंडी एक उम्मीद

राज्य स्थापना के रजत जयंती उत्सव के दौरान उत्तराखंडी प्रवासियों को एक बार पुन: एक मंच पर लाने का प्रयास राज्य सरकार द्वारा किया जा रहा है। उत्तराखंड के प्रवासी एक सम्मेलन के दौरान सामाजिक एवं आर्थिक व्यावसायिक प्रगति को लेकर अपने विचार साझा करेंगे और उत्तराखंड के लिए अपने योगदान को पूर्ण समर्पण भाव से भविष्य में धरातल पर उतारने की कोशिश करेंगे।उत्तराखंड से बाहरजकर रोजगार और उद्योग के क्षेत्र में कई लोगों ने नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं और उनके इस अनुभव और सफलता को उत्तराखंड के विकास के लिए भी प्रयोग में लाया जाना जरूरी है। ऐसे सम्मेलन अपनी मिट्टी से जुड़ाव का अनुभव भी एहसास कराते हैं। राज्य सरकार राज्य स्थापना जयंती वर्ष को लेकर प्रवासी उत्तराखंडी सम्मेलन पांच में उत्तराखंड की 25 वर्षों की यात्रा पर प्रवासी उत्तराखंडी अपने नजरिये को सामने रखने आगे आए। साथ ही, यह सुझाव भी दिए कि उत्तराखंड को भविष्य में और बेहतर बनाने की क्या संभावनाएं तलाशी जा सकती हैं। सम्मेलन में उत्तराखंड से न केवल विदेश में बल्कि भारत के अन्य राज्यों में बसे हुए उत्तराखंडी प्रवासियों शामिल हुए। उत्तराखंडमें वर्ष 2024 से पहला प्रवासी उत्तराखंडी सम्मेलन आयोजित किया गया था, जिसमें 17 राज्यों के दो सौ प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया था। प्रवासी सम्मेलन में पर्यावरण से लेकर शिक्षा रोजगार स्वस्थ महिला सशक्तिकरण जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर प्रवासियों की राय जानने का प्रयास किया जाएगा जो कि उत्तराखंड के हित के लिए भविष्य में लाभकारी साबित हो। प्रदेश के विकास और नई संभावनाओं की दिशा में मुख्यमंत्री प्रवासियों से सीधा संवाद किया गया। प्रवासियों को एक मंच पर लाने और उन्हें अपनी मातृभूमि से सक्रियता से जोड़ने तथा राज्य के विकास में उनकी सहभागिता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से यह सम्मेलन उत्तराखंड से बाहर बसे लोगों को अपनी जमीन से जोड़ने का भी काम करेगा। निश्चित तौर पर पिछले आयोजन के अनुभव उत्साहित करने वाले रहे हैं। इस महत्वपूर्ण सम्मेलन के माध्यम से प्रवासी उत्तराखंडियों के सुझाव उत्तराखंड के विकास का रोड मैप तैयार करने में अहम भूमिका निभा सकते हैं और राज्य से बाहर बसे लोगों के लिए उत्तराखंड में एक मजबूत पृष्ठभूमि भी तैयार किया जा सकेगा।

राष्ट्रीय जलमार्गों से सशक्त होता लॉजिस्टिक्स तंत्र

विजय कुमार

भविष्य के एक ऐसे भारत की कल्पना करें जहां मालढुलाई ट्रकों के बजाय नावों से हो, लॉजिस्टिक्स गलियारे राजमार्गों की जगह नदियों के किनारे बने हों और व्यापार बढ़ने के बाद भी कार्बन उत्सर्जन कम हो। ऐसा भविष्य कोरी कल्पना नहीं है बल्कि हमारी पहुंच के दायरे में है। देश को विकसित भारत और सही मायने में आत्मनिर्भर बनने के लिए अंतर्देशीय जल परिवहन (आईडब्ल्यूटी) को टिकाऊ लॉजिस्टिक्स क्रांति की रीढ़ बनना होगा।

भारत 4,000 वर्षों से नदियों के माध्यम से व्यापार करता आ रहा है। नदियों ने लोथल को रोम से, बंगाल को बर्मा से और असम को शेष दक्षिण–पूर्व एशिया से जोड़ा है। हालांकि समय के साथ सड़कों और रेलवे ने अपनी रफ्तार और स्टील की चमक से नदियों को पीछे धकेल दिया। लेकिन अब जलवायु परिवर्तन के चलते आर्थिक दबाव के इस दौर में हालात बदल रहे हैं। ऐसा नदियों के प्रति प्रेम की वजह से नहीं, बल्कि जरूरत के कारण हो रहा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अंतर्देशीय जलमार्ग पर अभूतपूर्व नीतिगत ध्यान दिया जा रहा है। राष्ट्रीय जलमार्गों पर 2013–14 में कार्गो की आवाजाही 18.1 मिलियन मेट्रिक टन थी जो 2024–25 में बढ़कर 145.84 मिलियन मेट्रिक टन हो गई है। जलमार्गों से माल–ढुलाई का खर्च भी कम आता है। जलमार्ग से माल–ढुलाई का खर्च 1.20 रुपये प्रति टन–किलोमीटर है जबकि रेल से 1.40 रुपये और सड़क से 2.28 रुपये प्रति टन–किलोमीटर का खर्च आता है। जलमार्ग किफायती और ईंधन–कुशल होते हैं। जलमार्ग से परिवहन पर प्रति टन–किलोमीटर केवल 0.0048 लीटर ईंधन की खपत होती है जबकि सड़क से 0.0313 लीटर और रेल मार्ग से 0.0089 लीटर खर्च होता है। यह किसी भी सप्लाई चेन मैनेजमेंट के लिए आंखें खोलने वाली बात है।

सबसे महत्वपूर्ण यह है कि नदी परिवहन से प्रति टन–किलोमीटर ग्रीनहाउस गैस का उत्सर्जन सड़क परिवहन की तुलना में महज 20 प्रतिशत होता है। गंगा या ब्रह्मपुत्र में चलने वाला हर जहाज न केवल सामान ढो रहे हैं, बल्कि भारत के कार्बन उत्सर्जन को कम करने की सजगता को भी स्पष्ट रूप से परिलक्षित कर रहा है।

भारत सरकार ने 2016 में राष्ट्रीय जलमार्ग–1 पर जलमार्ग विकास परियोजना को मंजूरी दी थी, जिससे गंगा–भागीरथी–हुगली नदी प्रणाली में कार्गो की आवाजाही बढ़ रही है। वाराणसी और साहिबगंज जैसे मल्टीमोडल लॉजिस्टिक्स हब राष्ट्रीय राजमार्ग लॉजिस्टिक्स प्रबंधन लिमिटेड (एनएचएलएमएल) के साथ साझेदारी में विकसित किए जा रहे हैं तथा इंडियन पोर्ट रेल एंड रोपवे कॉरपोरेशन लिमिटेड (आईपीआरसीएल) और डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (डीएफसीसीआईएल) के जरिये रेल लिंक बनाए जा रहे हैं ताकि नदी, रेल और सड़क को सुगमता से जोड़ा जा सके। राष्ट्रीय जलमार्ग–2 (ब्रह्मपुत्र नदी) पर जोगीघोपा आईडब्ल्यूटी टर्मिनल को मल्टी–मोडल लॉजिस्टिक्स पार्क (एमएमएलपी) से जोड़ा जा रहा है, जो भारत–बांग्लादेश प्रोटोकॉल मार्ग के जरिये कोलकाता और हल्दिया बंदरगाह को जोड़ता है।

अंतर्देशीय जल परिवहन की क्षमता अब साफ़ दिखने लगी है। असम में नुमालीगढ़ रिफाइनरी लिमिटेड (एनआरएल) की विस्तार परियोजना का हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उद्घाटन किया था। रिफाइनरी के लिए ओवर डाइमेंशनल कार्गो (ओडीसी) और ओवर वेट कार्गो (ओडब्ल्यूसी) जैसे भारी उपकरण आईडब्ल्यूएआई की देखरेख में भारत–बांग्लादेश प्रोटोकॉल मार्ग और ब्रह्मपुत्र नदी के जरिये ट्रांसपोर्ट किए गए थे। इसमें 24 कंसाइनमेंट शामिल थे जो एनआरएल जेट्टी तक

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अंतर्देशीय जलमार्ग पर अभूतपूर्व नीतिगत ध्यान दिया जा रहा है। राष्ट्रीय जलमार्गों पर 2013–14 में कार्गो की आवाजाही 18.1 मिलियन मेट्रिक टन थी जो 2024–25 में बढ़कर 145.84 मिलियन मेट्रिक टन हो गई है। जलमार्गों से माल–ढुलाई का खर्च भी कम आता है। जलमार्ग से माल–ढुलाई का खर्च 1.20 रुपये प्रति टन–किलोमीटर है जबकि रेल से 1.40 रुपये और सड़क से 2.28 रुपये प्रति टन–किलोमीटर का खर्च आता है। जलमार्ग किफायती और ईंधन–कुशल होते हैं। जलमार्ग से परिवहन पर प्रति टन–किलोमीटर केवल 0.0048 लीटर ईंधन की खपत होती है जबकि सड़क से 0.0313 लीटर और रेल मार्ग से 0.0089 लीटर खर्च होता है। यह किसी भी सप्लाई चेन मैनेजमेंट के लिए आंखें खोलने वाली बात है। सबसे महत्वपूर्ण यह है कि नदी परिवहन से प्रति टन–किलोमीटर ग्रीनहाउस गैस का उत्सर्जन सड़क परिवहन की तुलना में महज 20 प्रतिशत होता है। गंगा या ब्रह्मपुत्र में चलने वाला हर जहाज न केवल सामान ढो रहे हैं, बल्कि भारत के कार्बन उत्सर्जन को कम करने की सजगता को भी स्पष्ट रूप से परिलक्षित कर रहा है।

आसानी से और सुरक्षित रूप से पहुंचाए गए। इससे भीड़भाड़ वाले राजमार्गों और बड़े कार्गो के लिए सड़क परिवहन की मुश्किलों से भी बचा गया। इस ऑपरेशन से पता चला कि नदी लॉजिस्टिक्स न केवल पर्यावरण के लिए अच्छा है, बल्कि यह भारत के सबसे मुश्किल औद्योगिक शिपमेंट को संभालने में भी पूरी तरह से सक्षम है। सही मायने में यह लागत–प्रभावी, सुरक्षा और सतत परिवहन का बेजोड़ मेल है।

उद्योग के लिए यह अतीत की यादों में खोने या राष्ट्रीय गर्व की ही बात नहीं है बल्कि यह मार्जिन और मार्केट के बारे में है। जलमार्ग से सामान भेजना सस्ता, ज्यादा स्वच्छ और तेज होता जा रहा है क्योंकि मल्टीमोडल हब ऑनलाइन आ रहे हैं। आज की दुनिया में वैश्विक निवेशक सप्लाई चेन को केवल दक्षता के लिहाज से ही नहीं बल्कि उनके पर्यावरणीय प्रभाव को भी देखते हैं, ऐसे में नदी परिवहन को अपनाना रणनीतिक रूप से फायदेमंद है। कार्बन उत्सर्जन घटाने पर भी जोर है, जिससे अंतर्देशीय जलमार्ग आधुनिक लॉजिस्टिक्स के लिए बेहतर और ज्यादा टिकाऊ विकल्प बन गए हैं। जलमार्गों के जरिये माल भेजने से कम लागत, बेहतर पर्यावरण, सामाजिक और गवर्नेंस (ईएसजी) क्रेडेंशियल्स का दोहरा फायदा मिलता है।

सामाजिक लाभ असली है। कम ट्रक मतलब कम दुर्घटनाएं, सड़कों के रखरखाव पर कम दबाव, स्वच्छ हवा और मजबूत ग्रामीण अर्थव्यवस्था। नदी किनारे रहने वाले कई समुदाय जो कभी फेरी ट्रांसपोर्ट या छोटे पैमाने के व्यापार पर निर्भर थे, वे अब लॉजिस्टिक्स सपोर्ट, हैंडलिंग, वेयरहाउसिंग और अंतर्देशीय पोत्तन सेवाओं में नया रोजगार पा सकते हैं। यह व्यापार और रोजगार को बढ़ाने का एक सुदृढ़ साधन है।

ऐसा नहीं है कि इसमें कोई चुनौती नहीं है। मौसम का असर नेविगेशन पर पड़ता है। कुछ हिस्सों में लगातार ड्रेजिंग की दरकार होती है। मालवाहन बेड़े भी सीमित हैं। राज्यों, बंदरगाहों और मंत्रालयों के बीच संस्थागत समन्वय भी बड़ी चुनौती है। लेकिन सरकार एंड–टू–एंड ड्रेजिंग, मल्टी–मोडल हब का विस्तार, अंतर्देशीय पोत कानून जैसी नीतियों को लागू करके इन चुनौतियों से निपट रही है। इसके साथ ही सरकार राष्ट्रीय जलमार्ग पर निजी जेट्टी बनाकार और 'हरित नौकाइ के तहत पर्यावरण मानदंडों का पालन करके इस क्षेत्र को स्वच्छ और हरित तरीकों की ओर ले जा रही है। कार–डी (कार्गो डेटा पोर्टल), जलयान और नाविक, जल–समृद्धि, पानी और नौदर्शिका (नेशनल रिवर ट्रैफिक और नेविगेशन सिस्टम) पोर्टल जैसे डिजिटल टूल परिवहन को आसान बनाते हैं और रुकावटों को कम करते हैं।

पूरी दुनिया में नदी परिवहन का विस्तार हो रहा है। डेन्यूब और राइन नदियां यूरोप का माल ढोती हैं। भारत मालवहन योग्य नदियों के समृद्ध नेटवर्क के साथ मजबूत स्थिति में है। भारत ने 2070 तक नेट–जीरो उत्सर्जन का लक्ष्य रखा है, ऐसे में जलमार्ग उसके लिए विकल्प नहीं बल्कि अनिवार्यता है। जल परिवहन दक्षता, अर्थव्यवस्था और पारिस्थितिकी सभी के लिहाज से उयुक्त है।

मुंबई में चल रहे इंडिया मैरीटाइम वीक 2025 में वैश्विक और स्थानीय नीति निर्माता, लॉजिस्टिक्स की दिग्गज कंपनियों से लेकर नए लोगों तक, सरकारें, निवेशक, मैरीटाइम विशेष, पर्यावरणविद और उत्साही लोग इस दिशा में अगला कदम उठाने के लिए अपने विचार प्रस्तुत करेंगे। यह आयोजन कार्गो–केंद्रित नदी परिवहन के भविष्य की झलक दिखाएगा कि कैसे गंगा, ब्रह्मपुत्र और दूसरे जलमार्ग हरे–भरे और ज्यादा कुशल भारत की रीढ़ बन सकते हैं।

नदियों ने हमारी सभ्यता बनाई है। अपनी समृद्ध विरासत को अपनाकर और दुनिया की श्रेष्ठ कार्यप्रणाली के साथ भारत एक नए और आधुनिक अंतर्देशीय जल परिवहन प्रणाली के जरिये टिकाऊ अर्थव्यवस्था बनाने के लिए तैयार है। नदी की धारा आखिरकार हमारे पक्ष में बह रही है, जो हरित लॉजिस्टिक्स के भविष्य को ताकत दे रही है।

बिहार विधानसभा चुनावों में मुद्दों के जातीय समीकरण और हिंसा हावी रही

अजय दीक्षित

राजग हो या महागठबंधन दोनों को जाति गत राजनीत का सहारा चाहिए। चिराग पासवान की लोकजनशक्ति, जीतनराम मांझी की हिंदुस्तान आवाम मोर्चा, उपेंद्र कुशवाहा की रेलम,सभी जाति आधारित पार्टियां हैं। दूसरी ओर महागठबंधन के साथ, राजद, वीआइपी, जैसी जातिगत सेनाएं है। केवल असाउद्दीन ओवैसी और जनस्वाराज पार्टी ही कुछ मुद्दों को लेकर चुनाव लड़ रही है।पूरे चुनाव का आंकलन करे तो यह मालूम होता है कि केवल भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस ही राष्ट्रीय मुद्दों को फोकस कर रही है। राजद ने यादव मुस्लिम जातियों का ध्रुवीकरण कर दिया है। बिहार में आजादी के बाद से ही जाति गत राजनीत शुरू हो गई थी। बिहार विधानसभा चुनावों में 1995 से हिंसा , बालूबलियों का मतदान केंद्रों पर कब्जा ,भी शुरू हुआ और इसके जंक लालूप्रसाद यादव थे ।2000 के चुनावों में बिहार में रणवीर सेना, कुश सेना, दलित सेना बन गई थी।उस समय यह होगया कि जिसकी लाठी उसकी भैंस । केंद्र में जब 1999 में अटल बिहारी वाजपेई प्रधानमंत्री बने तब समता पार्टी ने जॉर्ज फर्नांडिस के नेतृत्व में एनडीए बनी।यही से बिहार की परिस्थितियों बदली। नीतीश कुमार केंद्रीय रेल मंत्री बने । 2005 के चुनावों में बिहार विधानसभा चुनावों में किसी भी पार्टी को बहुमत नहीं मिला।6 माह तक राष्ट्रपति शासन रहा था फिर चुनाव हुए तब नीतीश कुमार की समता पार्टी और भारतीय जनता पार्टी गठबंधन को पूर्ण बहुमत मिला।तब से नीतीश कुमार मुख्यमंत्री है ।हालांकि 2015,2023 में नीतीश कुमार पलटी मार

चुके हैं। लेकिन नीतीश कुमार की छवि सुशासन बाबू की है।20 वर्ष मुख्यमंत्री रहने के बाद भी नीतीश कुमार आज भी बेदाग हैं इनपर भ्रष्टाचार का कोई आरोप नहीं है। न ही परिवार बाद का आरोप है।अब उनकी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से अच्छी पटती है। भारतीय जनता पार्टी का बिहार में संकट यह है कि वहां कोई स्थानीय नेता इतना प्रभाशाली नहीं है कि वह चुनाव प्रचार की कमान सम्हाल सके ।एक सुशील मोदी थे भी वे गुजरगये।। इसी लिए प्रचार की बागडोर अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, अमित शाह, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सम्हाल रखी है। अगर विकास की बात करें तो बिहार में सिंचित भूमि,काफी है । लेकिन बाढ़ बिहार का दु:ख है, किसी नदी की बाद ऊपरी बिहार को डूबा देता है।2001 में जब से झारखंड अलग हुआ है तब खनिज संपदा भी बिहार के हिस्से से जाती रही है। यद्यपि बिहार हरा भरा है क्योंकि गंगा,कोसी, ब्रह्मपुत्र जैसी नदिया है लेकिन अभी तक पानी का उपयोग नहीं किया गया है। आवागमन में बिहार में भारत की सबसे अधिक रेल लाइन है क्योंकि बिहार से रेल मंत्री बहुत रहे हैं।सबसे पहले ललित नारायण मिश्र, जगन्नाथ मिश्र, भागवत झा आजाद, जॉर्ज फर्नांडिस, नीतीश कुमार, लालूप्रसाद यादव, विभिन्न सरकारों में रेल मंत्री रहे लेकिन बिहार इस बात के लिए भी बदनाम रहा कि रेल विभाग में अनुशासन नहीं था। यद्यपि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने प्रत्येक क्षेत्र में अनुशासन कायम किया है मगर फिर भी अभी दिल्ली दूर है। बिहार के लोग मुंबई, दिल्ली, नागपुर, अहमदाबाद, सूरत, बडौदा, कोलकाता, अमृतसर में रोजगार के लिए पलायन कर रहे हैं।यह प्रक्रिया 50 वर्षों से जारी है। बिहार विधानसभा चुनावों में हिंसा कोई नयी बात नहीं है। इन चुनावों में भी शुक्रवार के दिन मोकोका विधानसभा क्षेत्र में प्रचार के दौरानजनस्वराज पार्टी के सदस्य दुलारचंद की हत्या हो गई जिसमें अनंत सिंह के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। उल्लेखनीय है कि अनंत सिंह जेडीयू उम्मीदवार हैं। जंगलराज का अलाम यह था कि गोपाल गंज के डीएम की भीड़ ने पत्थरों से हत्या कर दी थी।

अदिवी शेष का डबल धमाका, मृणाल ठाकुर और वामिका गब्बी संग बड़ी हिंदी और पैन–इंडिया फिल्म में आएंगे नजर

अदिवी शेष अब पैन–इंडिया सिनेमा का नया चेहरा बनने जा रहे हैं, वो भी एक नहीं बल्कि दो बड़े प्रोजेक्ट्स के साथ. ये दोनों फिल्में अलग–अलग जॉनर, पैमाने और कहानियों से भरी हुई हैं.सबसे पहले है हिंदी फिल्म 'डकोईटइ, जो एक्शन–थ्रिलर और गहरी लव स्टोरी का अनोखा मेल है. इस फिल्म में शेष, मृणाल ठाकुर के साथ नज़र आएंगे. फिल्म की रिलीज क्रिसमस 2025 पर होने वाली है. इसके बाद आएगी उनकी पैन–इंडिया फिल्म 'जी2 झ गुडाचारी 2इ, जो उनके कल्ट स्पाई–थ्रिलर गुडाचारी का सीक्वल है. यह फिल्म 1 मई 2026 को रिलीज होगी और इसमें वामिका गब्बी भी एक दमदार किरदार में दिखेंगी. इन दोनों फिल्मों के साथ, अदिवी शेष नेशनल लेवल पर अपनी पहचान और मज़बूत करने जा रहे हैं. खास बात यह है कि ये फिल्में एक साथ हिंदी और तेलुगु में शूट हो रही हैं ताकि हर

भाषा और क्षेत्र के दर्शक इनसे जुड़ सकें. अपने इस नए सफर के बारे में शेष ने कहा, मैं हमेशा मानता हूं कि अच्छी सिनेमा भाषा की सीमाओं से ऊपर होती है, डकोईट और जी2 के साथ मैं सिर्फ बड़े पैमाने का नहीं, बल्कि दिल को छू लेने वाला सिनेमा करना चाहता हूं, डकोईट एक इमोशनल एक्शन–थ्रिलर है जो प्यार और तड़प की कहानी कहती है, वहीं जी2 एक बड़ा स्पाई–एडवेंचर है, जो गुडाचारी की दुनिया को और आगे बढ़ाता है, दोनों फिल्मों के जॉनर और भाषा भले ही अलग हों,

ऑस्ट्रेलिया बनाम भारत: चौथे टी–20 मुकाबले का प्रीव्यू और अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

नईदिल्ली, ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम और भारतीय क्रिकेट टीम के बीच 5 टी–20 अंतरराष्ट्रीय मैचों की सीरीज का चौथा मुकाबला सोमवार (6 नवंबर) को खेला जाएगा। सीरीज अभी 1–1 की बराबरी पर है। सीरीज का पहला मुकाबला बारिश के कारण रद्द हुआ था। दूसरे मैच में मजबान टीम ने दर्ज की थी। तीसरा मुकाबला भारतीय टीम ने अपने नाम किया था। ऐसे में आइए मुकाबले का प्रीव्यू और अन्य महत्वपूर्ण बातों पर नजर डालते हैं। टी–20 में दोनों के बीच 35 मैच खेले गए, जिसमें से 21 में भारत और 12 में कंगारू टीम को जीत मिली है। 2 मैच में नतीजा नहीं निकला है। भारत में खेले गए 15 मुकाबलों में 10 में भारत और 5 में ऑस्ट्रेलिया को जीत मिली है। ऑस्ट्रेलिया में 15 मुकाबलों में 8 में भारत और 5 में ऑस्ट्रेलिया को जीत मिली है। तटस्थ स्थान पर 5 मैचों में 3 में भारत और 2 में ऑस्ट्रेलिया को जीत मिली। पिछले मैच में मिली जीत के बाद भारतीय टीम अपनी प्लेइंग इलेवन में ज्यादा बदलाव नहीं करना चाहेगी। टीम के उपकप्तान शुभमन गिल अभी तक सीरीज में कोई बड़ी पारी नहीं खेल पाए हैं। ऐसे में उनसे काफी उम्मीदें होंगी। गेंदबाजी में अर्शदीप सिंह एक और बेहतर प्रदर्शन करना चाहेंगे।

एशेज सीरीज के दौरान ये अहम रिकॉर्ड्स बना सकते हैं मिचेल स्टार्क

नईदिल्ली, इंग्लैंड क्रिकेट टीम और ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम के बीच एशेज सीरीज की शुरुआत 21 नवंबर से हो जाएगी। इस सीरीज में ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क के प्रदर्शन पर नजरें रहेंगी। वह घरेलू सीरीज में विपक्षी बल्लेबाजों की कड़ी परीक्षा लेने वाले हैं। सीरीज के पहले टेस्ट में पैट कमिंस नहीं खेलेंगे और ऐसे में स्टार्क तेज गेंदबाजी की अगुआई करते हुए दिखेंगे। स्टार्क आगामी सीरीज के दौरान कुछ रिकॉर्ड्स बना सकते हैं, उनके बारे में जानते हैं।

स्टार्क ने अपना पहला टेस्ट मैच साल 2011 में न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम के खिलाफ खेला था। उन्होंने अब तक 100 मुकाबले खेले हैं और इसकी 192 पारियों में 27.02 की औसत से 402 विकेट लिए हैं। वह विकेटों के मामले में वेस्टइंडीज के कर्टली एम्ब्रोस (405) और पाकिस्तान के वसीम अकरम (414) को पीछे छोड़ने के करीब हैं। वह भारत के हरभजन सिंह (417) से भी आगे निकल सकते हैं। स्टार्क ने एशेज सीरीज में अब तक 22 मुकाबले खेले हैं, जिसकी 42 पारियों में उन्होंने 27.37 की औसत के साथ 97 विकेट लिए हैं। इस बीच उन्होंने 4 पारियों में 5 विकेट हॉल भी लिए हैं। वह इस प्रतिष्ठित सीरीज में विकेटों का शतक लगाने वाले कुल 21वें गेंदबाज बन जाएंगे। बता दें कि एशेज में सर्वाधिक विकेट लेने का रिकॉर्ड शेन वॉर्न (195) के नाम पर दर्ज है। स्टार्क ने विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के सभी चक्रको मिलाकर 49 मैच खेले हैं, जिसमें 25.71 की औसत के साथ 191 विकेट लिए हैं। वह आगामी सीरीज में 9 विकेट और लेते ही डब्ल्यूटीसी में अपने 200 विकेट पूरे कर लेंगे। अब तक सिर्फ 2 गेंदबाज ही ऐसा कर चुके हैं। ऑस्ट्रेलिया के ही नाथन लियोन (219) और कमिंस (215) ये आंकड़ा पार कर चुके हैं।

धन पिशाचिनी में सोनाक्षी का डरावना लेकिन ग्लैमरस लुक

फिल्म जटाधारा के साथ सोनाक्षी सिन्हा स्क्रीन पर अब तक दिखाई गई सबसे रहस्यमयी और दिव्य मिथकीय शक्तियों में से एक धन पिशाचिनी को जीवंत करने जा रही हैं, जो विशेष रूप से दिव्य ऊर्जा, रहस्य और ब्रह्मांडीय संतुलन का प्रतीक है। इस बेहद रहस्यमयी किरदार के बारे में जब फिल्म की निर्मात्री प्रेरणा अरोड़ा से बात की गई तो उन्होंने इस पर विस्तार से बात की क्योंकि इस चरित्र के क्रिएटिव रिसर्च और विजुअल आइडिएशन का नेतृत्व उन्होंने ही किया है। उन्होंने बताया, धन पिशाचिनी असल मायनों में ऊर्जा का दिव्य रूप है। डायरेक्टर्स के पास उनके लुक की एक सोच थी, लेकिन मैंने उसे थोड़े अलग अंदाज़ में देखा। कई चर्चाओं और स्केचेज़ के बाद हम एक ऐसा लुक तैयार कर पाए, जो सिनेमाई रूप से भव्य भी हो और पौराणिक रूप से सच्चा भी। हमने लगभग तीन महीने सिर्फ उनके आभा, गहनों और संपूर्ण डिज़ाइन पर रिसर्च की, ताकि वह सौंदर्य और शक्ति दोनों का संतुलित रूप बन सके। पिशाचिनी न देवी है, न दानवी, बल्कि वह एक ऐसी ऊर्जा है, जो अच्छाई और बुराई, सुंदरता और भय दोनों को समान रूप से धारण करती है।

आपरेशन सफेद सागर का पहला लुक हुआ जारी

जिमी शेरगिल और सिद्धार्थ की अदाकारी वाली सीरीज आपरेशन सफेद सागर का पहला लुक जारी कर दिया गया है। सेखों भारतीय वायुसेना मैराथन उद्घाटन के मौके पर मेकर्स ने फिल्म का पहला लुक जारी किया है। पहले लुक को फैंस पसंद कर रहे हैं और इसके वीडियो पर कमेंट कर रहे हैं। नेटफ्लिक्स ने सोशल मीडिया प्लेट–फार्म इंस्टाग्राम पर आपरेशन सफेद सागर का पहला लुक जारी किया है। वीडियो जारी करते हुए पोस्ट में लिखा इतिहास में दुनिया का सबसे बड़ा हवाई आपरेशन। सबसे बड़ा सम्मान। नेटफ्लिक्स पर जल्द आ रही है आपरेशन सफेद सागर सीरीज। आपरेशन सफेद सागर के पहले लुक में दिखाया गया है कि जिमी शेरगिल और सिद्धार्थ के साथ कई दूसरे एक्टर्स पाकिस्तान के खिलाफ एक्शन मोड में हैं। वह पाकिस्तान के खिलाफ सख्त एक्शन लेते हैं। इसके बाद लड़ाकू जहाजों से पाकिस्तान से मुकाबला करते हैं। सीरीज के पहले लुक को कई यूजर्स लाइक कर रहे हैं और उस पर कमेंट कर रहे हैं।

महिला वनडे विश्व कप: इन कप्तानों के नेतृत्व में टीम ने खेले 2 या अधिक फाइनल

नईदिल्ली, हाल ही में हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने वनडे विश्व कप 2025 का खिताब जीतने में सफलता हासिल की। मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में हुए फाइनल में मेजबान टीम ने दक्षिण अफ्रीका महिला क्रिकेट टीम को हराते हुए इतिहास रचा। विश्व कप इतिहास में कुछ ऐसे कप्तान भी हुए हैं, जिनके नेतृत्व में उनकी टीम ने 2 या अधिक फाइनल खेले हैं। आइए इस विशेष सूची के बारे में जानते हैं।

बेलिंडा क्लार्क ने ऑस्ट्रेलिया महिला क्रिकेट टीम को 1997, 2000, और 2005 के विश्व कप संस्करणों के फाइनल में पहुंचाया था। इनमें से 1997 और 2005 में कंगारू टीम विजेता बनी थी। इसके अलावा विश्व कप 2000 के

फाइनल में ऑस्ट्रेलिया को न्यूजीलैंड के खिलाफ 4 रन से करीबी हार मिली थी। पूर्व दिग्गज क्लार्क ने विश्व कप में कुल 29 मैच खेले थे, जिसमें 60.57 की औसत के साथ 1,151 रन बनाए थे।

हरमनप्रीत से पहले मिताली राज की कप्तानी में 2005 और 2017 में भारतीय टीम फाइनल में पहुंची थी। 2005 के खिताबी मैच में भारत को ऑस्ट्रेलिया के विरुद्ध 98 रन से हार मिली थी। वहीं, 2017 में भारत को इंग्लैंड महिला क्रिकेट टीम के खिलाफ 9 रन से शिकस्त मिली थी। मिताली ने विश्व कप में कुल 38 मैच खेले थे, जिसकी 36 पारियों में 47.17 की उम्दा औसत और 67.67 की स्ट्राइक रेट के साथ 1,321 रन बनाए थे। शेरोन ट्रेड्रिया की कप्तानी में ऑस्ट्रेलिया ने 1982 के फाइनल में इंग्लैंड को 3 विकेट से हराया था। इसके बाद 1988 के अगले संस्करण में भी ट्रेड्रिया के ही नेतृत्व में कंगारू टीम विजेता बनी थी। उस बार फाइनल में ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड को 8 विकेट से हराया था। ट्रेड्रिया ने विश्व कप में 19 पारियों में 27.05 की औसत के साथ 460 रन बनाए थे, जिसमें 3 अर्धशतक शामिल थे।

संक्षिप्त समाचार

धूमधाम के मनाया जाएगा स्थापना दिवस

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : बंगाल इंजीनियर ग्रुप समिति की ओर से बंगाल इंजीनियर ग्रुप रुड़की का 223वां स्थापना दिवस सात नवंबर को मनाया जाएगा। आयोजित बैठक में समिति के अध्यक्ष दिवाकर लखेड़ा ने बताया कि कार्यक्रम शिब्बूनगर स्थित एक बारात घर में होगा। जिसमें बड़ी संख्या में बंगाल इंजीनियर ग्रुप के पूर्व सैनिक प्रतिभाग करेंगे। कहा कि इससे पूर्व पांच नवंबर को समिति के वरिष्ठ सदस्यों का घर-घर जाकर सम्मान किया जाएगा। इस मौके पर गजेंद मोहन धस्माना, अशोक भारद्वाज, रमेश पुंडीर, शिव सिंह, दीपक नेगी आदि मौजूद रहे।

मवेशियों का किया टीकाकरण

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : विकासखंड द्वारीखाल के अंतर्गत पशु चिकित्सालय चेलूसैण की टीम ने क्षेत्र में मवेशियों का टीकाकरण किया। विभाग की दो टीमों ने ग्राम मस्ट, कलसी मल, दबड़ा, कोठार गांवों में पहुंच पशुओं का टीकाकरण किया। साथ ही पशुओं के कान में टैग भी लगाए। इस दौरान टीम ने कामधेनू गौ सेवा संस्थान में पहुंच वहां भी पशुओं को टीके लगाए।

युवक को आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में दो युवकों को भेजा जेल

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : सतपुली थाना क्षेत्र में एक युवक की गुमशुदगी में शामिल दो आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। परिजनों की शिकायत पर 23 सितंबर को सतपुली थाने में मुकदमा दर्ज किया गया था। कुछ दिन पूर्व पुलिस ने युवक का नर कंकाल उखलेत मार्ग समीप नयार पुल के पास से बरामद किया था।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पौड़ी सर्वेश पंवार ने बताया कि बीते 23 सितंबर को असवालस्यूं निवासी अरुण कुमार बडोला ने सतपुली थाने में शिकायत दर्ज करवाई की। जिसमें उन्होंने आरोप लगाया गया कि दो युवकों ने उसके भाई विमल चन्द्र बडोला को फोन पर डराकर, धमकाकर व बहला-फुसलाकर सतपुली बुलाया, जिसके बाद से वह लापता हो गया। बताया कि पीड़ित की शिकायत पर संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच की गई। जांच के दौरान सतपुली के उखलेत से गुमशुदा विमल बडोला का नर कंकाल बरामद हुआ। जांच में पता चला कि युवक ने आत्महत्या की। पुलिस ने पंचायतनामा की कार्रवाई कर अवशेषों को फोरेंसिक परीक्षण के लिए भेजा। पुलिस को जांच के दौरान सुधीर चंद्र बडोला पुत्र स्व. जगदीश प्रसाद बडोला, निवासी धोलीधार, कुड़ी अस्वालस्यूं और गणेश शंकर बलूनी पुत्र स्व. हरिप्रसाद बलूनी, निवासी जामरी, पट्टी कंडवालस्यूं की युवक को आत्महत्या के लिए उकसाने के मामले में संलिप्ता मिली। जिस पर दोनों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। पुलिस टीम में एसआई रियाज अहमद, कांस्टेबल सुरेश शामिल थे।

सरकार की योजनाओं का लाभ लेकर महिलाएं बनें आत्म निर्भर

नई टिहरी : मुख्य विकास अधिकारी वरुणा अग्रवाल की अध्यक्षता में थौलधार ब्लॉक के ग्राम पंचायत तिखोन में महिला एवं बाल सभा का आयोजन किया गया। जिसमें महिलाओं ने प्रतिभाग कर सरकारी की योजनाओं की जानकारी ली। सीडीओ ने योजनाओं का लाभ लेकर आत्म निर्भर बनने पर जोर दिया। बुधवार को आयोजित कार्यक्रम में सीडीओ वरुणा अग्रवाल ने कहा कि जीपीडीपी की बैठकों में कुछ समस्याएं छूट जाती हैं। ऐसे में सभी महिलाएं बेझिझक होकर अपनी बात रखें। गांव के विकास में सभी को एकजुट रहे। महिलाओं ने जूनियर स्कूल मझकोट में पानी, जर्जर छत की समस्या, महिला केंद्र में संचालित आंगनबाड़ी केंद्र में पानी और शौचालय की समस्या से अवगत कराते हुए समाधान की मांग की। वहीं छात्र-छात्राओं ने लाइब्रेरी में किताबें रखने, गांव में सोलर स्ट्रीट लाइट लगवाने, स्वरोजगार प्रशिक्षण देने सहित खेल मैदान और आंगनबाड़ी केंद्र बनाए जाने का अनुरोध किया। खेल मैदान और आंगनबाड़ी केंद्र बनाए जाने को लेकर सीडीओ ने कहा कि ग्राम प्रधान और क्षेत्र पंचायत सदस्य के सहयोग से यदि भूमि मिल जाती है तो आगे की कार्यवाही जल्द की जा सकती है। स्कूल से संबंधित समस्याओं को लेकर शिक्षा विभाग को आवश्यक कार्यवाही करने और अन्य मांगों को जीपीडीपी की बैठक में प्रस्तावित करने को कहा गया। इस मौके पर डीपीआरओ एमएम खान, एडीपीआरओ राकेश शर्मा, प्रधान विनोद राणा, बीडीसी नत्थी लाल, राजेंद्र राणा, विजयपाल चौहान, सुमन नौटियाल, आशीष आदि मौजूद थे।

मौसम में बदलाव, जन हुआ बीमार

सुबह-शाम ठंड व दोपहर में तेज धूप ने किया बीमार,बेस अस्पताल में प्रति दिन बढ़ रही मरीजों की संख्या

कोटद्वार के राजकीय बेस चिकित्सालय में ओपीडी की पर्ची बनवाने के लिए लगी लोगों की लाइन

यह है लक्षण

तेज बुखार आना, ठंड लगना, नाक से पानी आना, गले में खराश, हल्की खांसी वायरल के मुख्य कारण है। ऐसे में बुजुर्ग व बच्चों का विशेष ध्यान रखा जाना आवश्यक है। वायरल बड़ों के साथ ही छोटे बच्चों को भी अपनी चपेट में ले रहा है।

वायरल से बचाव के तरीके

वायरल से बचाव के लिए पानी को हल्का उबाल कर पीना चाहिए। घर के आसपास पानी जमा न होने दें। सुबह-शाम ठंड से बचने के लिए फूल बाजू के कपड़े पहने। बुखार की शिकायत होने पर तुरंत चिकित्सक की सलाह लें। फ्रीज में रखे खाद्य पदार्थों का सेवन बंद कर दें।

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : नवंबर माह के साथ ही मौसम में ठंडक बढ़ने लगी है। सुबह-शाम ठंड व दोपहर के समय हल्की धूप आमजन को बीमार कर रही है। यही कारण है कि राजकीय बेस चिकित्सालय के साथ ही निजी अस्पतालों में इन दिनों मरीजों की संख्या में इजाफा होने लगा है। अस्पताल आने वाले अधिकांश मरीज सर्दी-जुकाम व बुखार से पीड़ित हैं। लगातार बढ़ रहे मौसम में चिकित्सक मरीजों व उनके तीमारदारों को स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहने की सलाह दे रहे हैं।

पिछले दस दिन से लगातार मौसम में परिवर्तन देखने को मिल रहा है। सुबह-शाम ठंड का अनुभव होने लगा है। जबकि, दोपहर के समय धूप में कुछ देर खड़ा रहना भी चुनौती बनता जा रहा है। ऐसे में करवट बदलते मौसम ने आमजन को बीमार करना शुरु कर दिया है। राजकीय बेस चिकित्सालय कोटद्वार में सुबह से ही ओपीडी की पर्ची बनवाने वालों की भीड़ उमड़ रही है। साथ ही चिकित्सक से सलाह लेने के लिए भी ओपीडी के बाहर घंटों इंतजार करना पड़ रहा है। यही स्थिति निजी अस्पतालों में भी बनी हुई है।

चिकित्सकों की मानें तो मौसम व तापमान में आ रहे बदलाव के कारण शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर हो जाती है। ऐसे में स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने की आवश्यकता है।

स्मार्ट मीटर का विरोध जारी, आंदोलन तेज करने की चेतावनी

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : स्मार्ट मीटर के विरोध में शहरवासियों का धरना बुधवार को भी जारी रहा। लोगों ने जल्द से जल्द स्मार्ट मीटर को हटाकर पुराने मीटर लगाने की मांग उठाई। कहा कि जनता के हित को देखते हुए इस ओर गंभीरता से ध्यान दिया जाना चाहिए। बुधवार को लोगों ने तहसील परिसर में ऊर्जा निगम व प्रदेश सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया। वक्ताओं ने कहा कि वह पिछले कई दिनों से स्मार्ट मीटर के विरोध में धरने पर डटे हुए हैं। लेकिन, अब तक उनकी समस्या को गंभीरता से नहीं लिया गया। बताया कि स्मार्ट मीटर लगने के बाद बिजली का बिल चार से पांच गुना तक बढ़ गया है। जिससे सबसे अधिक परेशानी गरीब परिवार के लोगों को हो रही है। मेहनत-मजदूरी करने वालों की पूरी बचत बिजली के बिल में ही खर्च हो रही है। कहा कि जनता के हित को देखते हुए स्मार्ट मीटर के बजाय पुराने मीटर लगाए जाने चाहिए। इस मौके पर पार्षद रीता देवी, परमानंद, महेश नेगी आदि मौजूद रहे।

शिविर में अधिकारियों के नहीं पहुंचने पर जताई नाराजगी

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : धुमाकोट तहसील में आयोजित बहुउद्देशीय शिविर में जिला स्तरीय अधिकारियों के न पहुंचने पर जनप्रतिनिधियों ने नाराजगी जताई। कहा कि शिविर में मौजूद तहसील स्तरीय अधिकारियों के समक्ष कई मर्तबा शिकायत करने के बाद भी समस्या का निराकरण नहीं हो रहा। शिविर में प्राप्त 43 शिकायतों में से महज एक शिकायत का मौके पर निस्तारण हुआ।

तहसील सभागार में आयोजित शिविर में जिला स्तरीय अधिकारियों के न पहुंचने पर जनप्रतिनिधि भड़क गए। उनका कहना था कि मौजूद अधिकारियों के पास कई बार शिकायतें करने के बाद भी उनका निस्तारण नहीं हो पाता। ऐसे में इस तरह के शिविरों में जिला स्तरीय अधिकारियों का आना चाहिए, ताकि समस्याओं का निस्तारण हो सके। शिविर में अधिकांश शिकायतें लोक निर्माण विभाग, पेयजल, ग्राम्य विकास विभाग व वन विभाग से संबंधित रहीं। पूर्व ज्येष्ठ प्रमुख सुंदेर सिंह बिष्ट, सामाजिक कार्यकर्ता मनीष सुंदरियाल व ग्राम प्रधान संजना देवी ने जंगली जानवरों द्वारा हो रहे नुकसान से अवगत कराया। कहा कि वन विभाग व पशुपालन विभाग को मिलकर इन समस्याओं का समाधान निकालना चाहिए। मनीष सुंदरियाल ने कहा कि क्षेत्र में बाघ, भालू, गुलदार आए दिन लोगों पर हमला कर रहे हैं। बंदर व सुअरों की संख्या बढ़ती जा रही है, जो कि काश्तकारों की खेती को भारी नुकसान पहुंचा रहे हैं। काश्तकार मंगल सिंह ने बकरी बाड़ा सहित ब्लॉक से संचालित कई योजनाओं में भ्रष्टाचार का आरोप लगाया। जिस पर उपजिलाधिकारी श्रेष्ठ गुनसोला ने जांच का आश्वासन दिया। शिविर में कुल 43 शिकायतें प्राप्त हुई, जिनमें राजस्व विभाग से संबंधित एक शिकायत मौके पर निस्तारित कर दी गई। जबकि अन्य शिकायतों को उपजिलाधिकारी श्रेष्ठ गुनसोला ने संबंधित विभागों को सौंपते हुए पंद्रह दिन के भीतर निस्तारित करने के निर्देश दिए। शिविर में स्वास्थ्य विभाग ने दिव्यांगों की जांच कर उन्हें प्रमाण पत्र निर्गत किए।

रिकवरी एजेंट और वकील से मारपीट, चार गिरफ्तार

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : रिकवरी एजेंट और उनके अधिवक्ता के साथ पौड़ी के परसुंडाखाल में मारपीट और पत्थरबाजी के आरोप में पुलिस ने चार लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने अनुसार अमित सिंह ने एक फाइनेंस कंपनी से 9 लाख का लोन लेकर कार फाइनेंस कराई, लेकिन तीन साल के बाद भी वाहन स्वामी ने वाहन की कोई भी किस्त बैंक में जमा नहीं कराई। बुधवार को बैंक की टीम वाहन को रिकवर करने के लिए आई तो वाहन स्वामी और उसके साथियों ने एजेंट व बैंक अधिवक्ता के साथ लड़ाई झगड़ा शुरू कर दिया। कोतवाली के एसएसआई वेदप्रकाश ने बताया कि कोतवाली को शिकायत मिली कि एक रिकवरी एजेंट और उनके वकील के साथ कुछ लोग मारपीट व पत्थरबाजी कर रहे हैं। जिस पर तत्काल पुलिस फोर्स को मौके पर भेजा गया, मौके पर पाया गया कि कुछ लोग रिकवरी एजेंट और उनके अधिवक्ता को मारने पीटने पर उतारूहो रखे थे। बताया कि पुलिस के समझाने पर भी वे लड़ाई झगड़ा करते रहे, जिस पर आरोपी चारों युवकों को हिरासत में लिया गया। रिकवरी एजेंट और उनके अधिवक्ता ने बताया कि अमित सिंह ने एक फाइनेंस कंपनी से 9 लाख का लोन लेकर कार फाइनेंस कराई, लेकिन तीन साल के बाद भी वाहन स्वामी ने न तो वाहन का रजिस्ट्रेशन कराया और ना ही वाहन की कोई भी किस्त बैंक में जमा कराई गई। बैंक ने वाहन स्वामी से कई बार संपर्क किया गया, लेकिन वाहन स्वामी ने बैंक की एक भी किस्त जमा नहीं की, जिस पर बैंक की टीम वाहन को रिकवर करने के लिए आई तो वाहन स्वामी द्वारा वाहन की चाभी नहीं दी और गाड़ी क्रेन से ले जाने के लिए कहा। जिस पर बैंक द्वारा अपने दो कर्मचारी मौके पर ही छोड़ दिए। इसी दौरान आरोपियों ने रिकवरी एजेंट व बैंक अधिवक्ता के साथ लड़ाई झगड़ा शुरू कर दिया। रिकवरी एजेंट और बैंक अधिवक्ता के साथ मारपीट करने के आरोप में अमित नेगी निवासी ग्राम गाड़ का मेहरगांव, अभिमन्यु रावत निवासी गाड़ का मेहरगांव, अजय कुमार निवासी परसुण्डाखाल, ऋतुराज कुकरेती निवासी लक्ष्मी नारायण मोहल्ला को गिरफ्तार किया गया।

दो एसडीएम पर लगा 15-15 हजार का जुर्माना

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : सूचना आयुक्त दिलीप सिंह कुंवर ने कोटद्वार तहसील में तैनात दो उपजिलाधिकारियों पर पंद्रह-पंद्रह हजार का जुर्माना लगाया है। दोनों अधिकारियों ने सूचना अधिकार अधिनियम के तहत मांगी गई जानकारी समय पर उपलब्ध नहीं करवाई। आयोग में चल रहे एक मामले में शिकायतकर्ता मुजीब नैथानी ने बताया उनकी ओर से सिंचाई विभाग के निर्माण कार्यों की शिकायत वर्ष 2020 में की गई थी। उनकी ओर से निर्माण कार्यों से संबंधित जांच की रिपोर्ट मांगी गई। लेकिन, तमाम प्रयासों के बाद भी उनकी ओर से मांगी गई सूचना उन्हें उपलब्ध नहीं हुई। बताया कि इस मामले में सूचना आयुक्त दिलीप सिंह कुंवर ने मंगलवार को सुनवाई की। जिसमें उन्होंने समय पर सूचना न दिए जाने पर पूर्व में तैनात दो उपजिलाधिकारियों पर पंद्रह-पंद्रह हजार रूपए का जुर्माना लगाया है।

लालढांग-चिल्लरखाल मोटर मार्ग नहीं बनने तक जारी रहेगा आंदोलन

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : लालढांग-चिल्लरखाल मोटर मार्ग निर्माण को लेकर लोगों का धरना जारी रहा। लोगों ने मार्ग निर्माण का कार्य धरातल पर प्रारंभ नहीं होने तक आंदोलन जारी रखने की चेतावनी दी है। कहा कि जनता की अनदेखी किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

बुधवार को लोगों ने चिल्लरखाल में धरना दिया। लोगों ने कहा कि क्षेत्र के बेहतर विकास के लिए मार्ग निर्माण होना आवश्यक है। कहा कि उन्हें आंदोलन करते हुए तीन माह से अधिक का समय हो चुका है। लेकिन, अब तक कोई भी अधिकारी या जनप्रतिनिधि उनकी समस्या को सुनने नहीं पहुंचा। इससे प्रतीत होता है कि सरकार को जनसमस्याओं से कोई मतलब ही नहीं रह गया है। कहा कि जनता के हित व क्षेत्र के विकास के लिए लालढांग- चिल्लरखाल मोटर मार्ग का बनना अति आवश्यक है। कहा कि इससे शहर के विकास को बेहतर गति मिलेगी। साथ ही भाबर क्षेत्र के सिगड्डी में सुस्त पड़ी फैक्ट्रियों को भी विकास की रफ्तार मिलेगी। कहा कि मार्ग निर्माण के लिए कुछ दिन बाद आंदोलनकारियों का एक दल देहरादून रवाना होगा। इस मौके पर प्रवीन थापा, रेनू देवी, मुन्नी देवी, अमित कुमार, श्याम सिंह आदि मौजूद रहे।

चिल्लरखाल में लालढांग-चिल्लरखाल मोटर मार्ग निर्माण को लेकर धरना देते लोग

सूबेदार अंकुर रावत को किया सम्मानित

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : माउंट एवरेस्ट फतह करने वाले ग्राम सुरालगांव निवासी सूबेदार अंकुर रावत को सम्मानित किया गया। ग्रामीणों ने ढोल-दमाऊ व वाद्य यंत्रों के साथ गांव में अंकुर रावत का स्वागत किया।

विकासखंड कल्जीखाल के ग्राम सुरालगांव के पीपला में ग्रामीणों ने अंकुर रावत का भव्य स्वागत किया। ढोल-दमाऊ के साथ ही पारंपरिक वाद्य यंत्र के साथ अंकुर रावत ने गांव का भ्रमण किया। इस दौरान गांव में कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया। सूबेदार अंकुर रावत ने बताया कि 18 मई 2025 को प्रातः तीन बजकर पांच मिनट पर उन्होंने विश्व की सबसे ऊंची चोटी माउंट एवरेस्ट पर दूसरी बार चढ़ाई की थी। उन्होंने एनसीसी के पांच लड़के व पांच लड़कियों के साथ यह सफर तय किया। बताया कि उन्होंने सबसे पहले वर्ष 2016 में प्रथम बार भारतीय सेना के साथ माउंट एवरेस्ट व 2019 में माउंट मकालू में तिरंगा लहराया था। वह अब तक देश और विदेश की 27 ऊंची चोटियों पर तिरंगा फहरा चुके हैं। इसके अलावा उन्होंने कई रेस्क्यू अभियानों में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। सम्मान समारोह के दौरान सूबेदार अंकुर रावत ने कहा कि उन्हें विभिन्न जगह पर सम्मानित किया गया। लेकिन, अपने पैतृक गांव जन्मभूमि में आकर सम्मान मिलता गर्व का विषय है। उन्होंने युवाओं को भी अपनी फिटनेस पर ध्यान देने कहा। इस दौरान सूबेदार अंकुर की माता आनंदी देवी ने कविता के माध्यम से अपने पुत्र की उपलब्धियां को गिनाया। इस मौके पर कार्यक्रम आयोजक ग्राम प्रधान सुरालगांव जगदेश्वरी देवी, चंद्र सिंह रौथाण, नारायण सिंह, आनंदी देवी, राकेश मोहन, मातबर सिंह भंडारी, राजेंद्र प्रसाद, रिंकी देवी, कुशलानंद बलूनी, धर्मानंद बलूनी, पूर्व प्रधान रघुवीर सिंह, पीतांबरी देवी, संदीप डोबरियाल, लीला रौथाण आदि मौजूद रहे।

ग्राम सुरालगांव में पहुंचे अंकुर के स्वागत को पहुंचे ग्रामीण

भाषण में यमकेश्वर ने मारी बाजी

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : राज्य स्थापना दिवस के रजत जयंती को लेकर पौड़ी में आयोजित जिला स्तरीय युवा महोत्सव में जिले के पंद्रह ब्लाकों के प्रतिभागियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। भाषण में यमकेश्वर, लोकगीत में पोखड़ा तो लोकनृत्य में पौड़ी के प्रतिभागियों ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

जिला स्तरीय युवा महोत्सव की भाषण प्रतियोगिता में यमकेश्वर की कशिश ने पहला, पौड़ी की कविता ने दूसरा और पाबौ ब्लाक के श्रोहित ने तीसरा स्थान हासिल किया। वहीं लोकगीत प्रतियोगिता में पोखड़ा पहले स्थान पर रहा, जबकि खिर्सू ब्लाक दूसरे तो मेजबान पौड़ी ब्लाक तीसरे स्थान पर रहा। लोकनृत्य प्रतियोगिता में पौड़ी के प्रतिभागी अव्वल रहें। खिर्सू ने दूसरे तो पोखड़ा तीसरे स्थान पर रहा। प्रतियोगिताओं में विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार देकर सम्मानित कियाग किया गया। कार्यक्रम में डीडीओ मनविंदर कौर, जिला युवा कल्याण अधिकारी रविन्द्र कुमार सिंह फोनिया, क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारी नरेश रावत, भगवान गुसाईं, मनोज कुमार, आदेश बहुगुणा, महेश राठौर, नितीश शैलानी आदि मौजूद रहे।

नैनीडांडा में पेयजल सप्लाई बाधित, प्राकृतिक स्रोतों से पानी ढोने को मजबूर लोग

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : नैनीडांडा पंपिंग योजना से बीते चार दिनों से पेयजल सप्लाई अनियमित होने से उपभोक्ताओं को पेयजल समस्या से दो-चार होना पड़ रहा है। कुछ प्रतिष्ठान स्वामी तो अपने वाहनों में प्राकृतिक स्रोतों से पानी ला कर इन दिनों काम चला रहे हैं। उपभोक्ताओं का आरोप है कि योजना से पेयजल सप्लाई का प्रबंधन ठीक नहीं होने से भी अधिक परेशानी हो रही है।

नैनीडांडा क्षेत्र के लिए काली नदी से पंपिंग योजना बनाई गई थी और इसका संचालन जल निगम कर रहा है। योजना इन दिनों लोगों के लिए बेकार साबित हो रही है। बीते चार दिनों से नैनीडांडा बाजार सहित आसपास के गांवों पल्ली चौराह, मोरगढ़ व कांडी आदि में पानी की सप्लाई अनियमित बन रही है। कभी एक दिन छोड़कर भी पानी आ रहा है। जिससे आम उपभोक्ताओं के साथ ही यहां के स्थानीय होटल व्यवसायियों को भी परेशानी हो रही है। स्थानीय उपभोक्ता दिगम्बर सिंह, महेंद्र और महिपाल आदि बताते है कि पानी की समस्या से आए दिन परेशानी हो रही है। पिछले तीन-चार दिनों से पेयजल सप्लाई योजना से ठीक नहीं है। वहीं पेयजल निगम के एई रमाकांत गुप्ता ने कहा कि बिजली की समस्या के कारण स्रोत से पंपिंग नहीं हो पाई जिसके कारण इस बीच पानी की समस्या सामने आई है। नैनीडांडा क्षेत्र में पानी की सप्लाई के लिए करीब 180 केएल क्षमता का टैंक बना है। पहले पंपिंग कर इसे ही भरा जाता है इसके बाद इससे पानी आगे दिया जाता है। इसे भरने में भी काफी समय लगता है। यदि पंपिंग गड़बड़ाती है तो फिर डिस्ट्रीब्यूशन में भी दिक्कत आ जाती है। पेयजल सप्लाई एक दो दिन में ठीक हो जाएगी।

नियमितीकरण न होने पर भड़के उपनल कर्मी, हड़ताल की दी चेतावनी

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : उपनल कर्मचारी महासंघ की बैठक में नियमितीकरण को लेकर चर्चा की गई। इस दौरान उपनल कर्मचारियों का अभी तक नियमितीकरण नहीं होने पर कड़ी नाराजगी जताई। बैठक में निर्णय लिया गया कि नियमितीकरण नहीं होने पर 10 नवंबर से बेमियादी हड़ताल शुरू कर दी जाएगी।बुधवार को ब्रदीनाथ धर्मशाला में उपनल कर्मचारी महासंघ की बैठक का आयोजन किया गया। इस दौरान संघ के प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष महेश भटट, प्रदेश महामंत्री विजय प्रसाद ने कहा कि प्रदेश में करीब 22 हजार से अधिक कर्मचारी उपनल के माध्यम से 15 से 20 सालों से विभिन्न विभागों में अपनी सेवाएं दे रहे है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी भी उपनल कर्मचारियों का नियमितीकरण करने को आदेश दे चुके है, लेकिन अफसरों की मनमानी के चलते उपनल कर्मचारियों का नियमितीकरण नहीं हो पा रहा है। जिससे उपनल कर्मचारियों को अपने भविष्य की चिंता सता रही है। कहा कि राज्य स्थापना दिवस तक उपनल कर्मचारियों के नियमितीकरण का आदेश जारी नहीं होने पर 10 नवंबर से प्रदेशभर के उपनल कर्मचारी बेमियादी हड़ताल पर चले जाएंगे। बैठक में जिलाध्यक्ष अरविंद कुमार, संरक्षक मुकश सेमवाल, उपाध्यक्ष आशीष, लक्ष्मण भंडारी, प्रमिला रावत, रजनीश, मोहन सिंह, शैलेंद्र, खुशपाल आदि शामिल रहे।

पुरानी पेंशन बहाली के लिए पैदल मार्च निकालेंगे

श्रीनगर गढ़वाल : राष्ट्रीय पुरानी पेंशन बहाली संयुक्त मोर्चा जनपद टिहरी की एक आम बैठक बीआरसी हॉल कीर्तिनगर में हुई। बैठक की अध्यक्षता जनपद अध्यक्ष राजीव उनियाल ने की। इस मौके पर उन्होंने कहा कि हमें पुरानी पेंशन बहाली के लिए एक ठोस रणनीति बनानी होगी जिससे सरकार पर दबाव बनाया जा सके। ब्लॉक के वरिष्ठ अध्यक्ष राष्ट्रीय पुरानी पेंशन बहाली संयुक्त मोर्चा कीर्तिनगर विनोद चौहान ने धारी देवी कार्यक्रम का समर्थन किया और कहा कि हम पूरा प्रयास करेंगे कि अधिक से अधिक संख्या बल के साथ कर्मचारी इस आंदोलन में प्रतिभाग करें। श्रीनगर शाखा अध्यक्ष एवं प्रदेश लैब तकनीशियन के प्रदेश अध्यक्ष राकेश रावत ने कहा कि हम पूरे श्रीनगर गढ़वाल के साथ प्रदेश स्तर पर संपर्क अभियान चलाएंगे और अधिक से अधिक शिक्षक, कर्मचारियों को धारी देवी यात्रा के लिए तैयार करेंगे। ब्लॉक अध्यक्ष महेंद्र कठैत ने धारी देवी माता मंदिर यात्रा के लिए पूरे राजकीय शिक्षक संघ के समर्थन की बात कही।

संतोषी की गाय ने जीता चैंपियन का खिताब

पशुपालन विभाग कलालघाटी की ओर से आयोजित की गई पशु प्रदर्शनी

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : भाबर के उदयरामपुर में उत्तराखंड राज्य स्थापना रजत जयंती वर्ष के अवसर पर जिला योजनांतर्गत ग्राम प्रसार कार्यक्रम के तहत पशु चिकित्सालय कलालघाटी की ओर से पशु प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उदयरामपुर नयाबाद निवासी संतोषी देवी की गाय ने सर्वाधिक अंक प्राप्त कर चैंपियन का खिताब जीता है। कार्यक्रम में चिकित्सकों ने पशुपालन पालन विभाग द्वारा चलाये जा रहे टीकाकरण अभियान, बीमारियों से बचाव, पशु बीमा, टैगिंग, किसान क्रेडिट कार्ड द्वारा पशुपालन हेतु लोन आदि की महत्वपूर्ण जानकारियां दी।

कार्यक्रम की शुरुआत पार्षद जेपी बहुखंडी और मनीष नैथानी ने रिबन काटकर की। इस अवसर पर आयोजित पशु प्रदर्शनी में क्रॉस ब्रीड कैटेगरी में पशुपालक खीमा डबराल ने प्रथम, रोशनी देवी ने द्वितीय और आनंद सिंह ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। बछिया कैटेगरी में सतीश मोहन, सतेंद्र सिंह, धर्म सिंह, बकरी कैटेगरी में मो. यामीन, शरीफ अहमद, रोशन सिंह, देसी गाय और भैंस कैटेगरी में हर्षित सिंह, अनिता भंडारी, पुष्पा देवी और घोड़ा खच्चर कैटेगरी में राजा राम, सावित्री देवी, कुणाल प्रजापति को क्रमशः पहला, दूसरा और तीसरा स्थान प्राप्त किया। निर्णायक डॉ. केएस रंजन, डॉ. बीएम गुप्ता और डॉ. दीपेश शर्मा ने बताया कि प्रदर्शनी में पशु के स्वास्थ्य, नस्ल, रख रखाव और डीवॉर्मिंग के बिंदुओं को ध्यान में रखकर अंक प्राप्त किये गये। इस अवसर पर उडायरामपुर निवासी संतोषी देवी की गाय ने सर्वाधिक अंक प्राप्त कर चैंपियन का खिताब प्राप्त किया। इस अवसर पर फार्माशिष्ट सतीश चंद्र आर्य, पशुधन प्रसारी बृज मोहन गुसाईं, ओमप्रकाश, राकेश सिंह रावत मौजूद रहे।

हेरिटेज एकेडमी बनी आईएचएमएस स्टार क्वेस्ट प्रतियोगिता की चैंपियन

11 प्रतियोगिताओं में 26 विभिन्न विद्यालयों के 266 विद्यार्थियों ने किया प्रतिभाग

जयन्त प्रतिनिधि ।

कोटद्वार : इंस्टीट्यूट ऑफ हॉस्पीटेलिटी, मैनेजमेंट एंड साइंसेज आईएचएमएस कॉलेज कोटद्वार की ओर से आयोजित प्रतिष्ठित अंतर विद्यालयी स्टार क्वेस्ट प्रतियोगिता हैरिटेज एकेडमी के नाम रही। हैरिटेज 11 प्रतियोगिताओं में से चार में प्रथम स्थान प्राप्त कर प्रतियोगिता की चैंपियन बनी। जबकि दूसरे स्थान पर डीएवी पब्लिक स्कूल रही। बीईएल रोड बलभद्रपुर स्थित महाविद्यालय परिसर में आयोजित प्रतियोगिताओं में कोटद्वार के 26 विद्यालय के 266 छात्र-छात्राओं ने उत्साह पूर्वक प्रतिभाग किया। जूनियर मास्टर शेफ प्रतियोगिता में छात्र-छात्राओं ने बिना आग वाले एक से बढ़कर एक लजीज व्यंजन बनाए। वेस्ट टू वॉव प्रतियोगिता में छात्र-छात्राओं ने घर में बेकार बनी चीजों से आकर्षक सजावटी सामान तैयार किया। बिजनेस क्विज प्रतियोगिता में छात्र-छात्राओं ने आधुनिक व्यापार एवं प्रबंधन पर पूछे गए सवालों का बेबाकी के साथ जबाब दिया। रंग तरंग प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने एक से बढ़कर एक मनमोहक रंगोली बनाई। आईटी की इनोटेक प्रतियोगिता में छात्रों ने एआई और डेटा साइंस पर अपनी बेहतरीन प्रस्तुति दी। पोस्टर मेकिंग प्रतियागिता में छात्र-छात्राओं ने पर्यावरण संरक्षण, नशा मुक्ति आदि का संदेश दिया। ऑनलाइन गेमिंग में छात्रों ने अपनी बौद्धिक क्षमताओं का परिचय दिया। स्टोरी टेलिंग प्रतियोगिता में दिल को छूने वाली और प्रेरणादायक कहानी सुनाई। इंस्ट्रूमेंटल प्रतियोगिता में विभिन्न वाद्य यंत्रों के माध्यम से सुमधुर धुनों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया। सिंगिंग प्रतियोगिता में छात्रों ने गढ़वाली और हिंदी गीतों की मनमोहक प्रस्तुति देकर खूब ताली बटोरी। जबकि रैंप वाक प्रतियोगिताओं में छात्र-छात्राओं ने रैंप पर कैट वाक कर जलवे बिखेरे। निर्णायकों द्वारा दिए गए अंकों के आधार पर जूनियर मास्टर शेफ प्रतियोगिता में ज्ञान भारती स्कूल ने प्रथम, ब्लूमिंग वेल स्कूल ने द्वितीय और जागृति पब्लिक स्कूल ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वेस्ट टू वॉव प्रतियोगिता में बाल भारती स्कूल ने प्रथम, हेरिटेज एकेडमी ने द्वितीय और आरसीडी स्कूल ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। बिजनेस क्विज प्रतियोगिता में डीएवी पब्लिक स्कूल ने प्रथम, हेरिटेज ने द्वितीय और बलूनी पब्लिक स्कूल ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। रंग तरंग प्रतियागिता में बलूनी पब्लिक स्कूल ने पहला, डीएवी ने दूसरा और आरसीडी ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। इनोटेक प्रतियोगिता में हेरिटेज, डीएवी और बाल भारती स्कूल ने क्रमश प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसी प्रकार पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में हेरिटेज, डीएवी, बलूनी, ऑन लाइन गेमिंग प्रतियोगिता में हेरिटेज, नवयुग, बाल भारती, स्टोरी टेलिंग प्रतियोगिता में हेरिटेज, नवयुग और ज्ञान भारती ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त किया। इंस्टुमेंटल प्रतियोगिता में हेरिटेज एकेडकी के सिद्धार्थ काला ने प्रथम, जीजीआईसी कोटद्वार की खुशी और साथियों ने द्वितीय और जेपी इंटर कॉलेज के एरोन चार्लस ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। सिंगिंग प्रतयोगिता में डीएवी पब्लिक स्कूल ने पहला, जीजीआईसी कोटद्वार ने दूसरा और हेरिटेज एकेडमी ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। जबकि रैंप वॉक प्रतियोगिता में नवयुग पब्लिक स्कूल की छात्रा इशिका रावत ने बाजी मारी, जेपी इंटर कॉलेज के जुनैद अहमद दूसरे और स्कॉलर्स एकेडमी की छात्रा कुमुद द्विवेदी तीसरे स्थान पर रहीं। बतौर मुख्य अतिथि हर्ष विद्या मंदिर स्नातकोत्तर महाविद्यालय हरिद्वार के प्राचार्य डॉ. आदित्य गौतम, विशिष्ठ अतिथि डीएवी पब्लिक स्कूल कोटद्वार के प्रधानाचार्य नितिन भाटिया, कॉलेज के प्रबंध निदेशक बीएस नेगी, कार्यकारी निदेशक अजय राज नेगी, निदेशक प्रबंधन ले. कर्नल बीएस गुसाई रिटायर्ड और प्राचार्य डॉक्टर अश्वनी शर्मा ने विजेताओं और सभी विद्यालय के शिक्षकों को मैडल, प्रमाण पत्र और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर कॉलेज के जनसंपर्क अधिकारी नरेश थपलियाल, एडमिशन इंचार्ज विजय पंत सहित कॉलेज के सभी प्राध्यापक और कर्मचारी मौजूद रहे।

आयोजित प्रतियोगिता में प्रतिभाग करती छात्राएं

संक्षिप्त समाचार

एसएसबी प्रशिक्षित गुरिल्लों ने सरकार से नौकरी और पेंशन मांगी

नई टिहरी : भिलंगना ब्लॉक के एसएसबी प्रशिक्षित गुरिल्लाओं की बैठक गैस गोदाम में आयोजित हुई। बैठक में संगठन ने प्रदेश सरकार की ओर से उनकी वर्षों से लंबित मांगों कार्रवाई न होने पर रोष जताया। उन्होंने सरकार पर प्रशिक्षितों की उपेक्षा का आरोप लगाते हुए मांगों पर शीघ्र सकारात्मक कार्रवाई न होने पर उग्र आंदोलन की चेतावनी दी है। बुधवार को घनसाली में आयोजित एसएसबी प्रशिक्षित गुरिल्लाओं की बैठक में संगठन की समस्याओं पर चर्चा की गई। इस मौके पर संगठन जिलाध्यक्ष दिनेश प्रसाद गैरोला ने कहा कि, प्रशिक्षित गुरिल्ला वर्षों से अपनी जायज मांगों को लेकर आंदोलन कर रहे हैं, लेकिन सरकार उन्हें सिर्फ कोरे आश्वासन ही दे रही है। कहा कि, दिसबंर 2023 में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने 18 सचिवों के साथ जो गुरिल्ला हित में मीटिंग बुलाई थी, उस पर अभी तक 2 वर्ष बीतने के बावजूद भी कोई कार्रवाई नहीं हुई है। जबकि केंद्र सरकार ने 2016 में राज्यों को पत्र भेज दिया था। प्रश मीडिया प्रभारी अनिल प्रसाद भट्ट ने कहा कि, सरकार गुरिल्लाओं को नौकरी, पेंशन तथा आश्रितों को हित लाभ नहीं देती है, संगठन चक्का जाम और सीएम आवास कूच, सचिवालय कूच, विधानसभा कूच के लिए बाध्य होगा। बैठक में ब्लॉक महासचिव जगदीश प्रसाद सेमवाल, मोर सिंह झिरवाण, प्रेम सिंह कलोडा, सत्येंद्र सिंह भण्डारी, सूरत सिंह बिष्ट, राजेंद्र प्रसाद सेमवाल, दिलवर चंद्र रमोला, अरविंद रावत, कुसुम सेमवाल, अनीता देवी, कविता देवी, गीता आदि मौजूद रहे। (एजेंसी)

टिहरी झील में सहासिक खेलों में प्रतिभागियों ने दिखाए करतब

नई टिहरी : राज्य स्थापना दिवस की रजत जयंती वर्ष पर पर्यटन विभाग की ओर से बुधवार को टिहरी बांध की झील में रोमांचक वाटर स्पोर्ट्स गतिविधियों का शो आयोजित किया गया। जिसका उद्देश्य लोगों को साहसिक पर्यटन और इसके रोमांच से रूबरू कराना था। शो को देखने के लिए बड़ी संख्या में पर्यटक एवं स्थानीय नागरिकों ने हिस्सा लिया। जिला पर्यटन विकास अधिकारी सोबत सिंह राणा ने बताया कि रजत जयंती वर्ष पर पर्यटन विभाग जिलेभर में स्वच्छता अभियान, पर्यटन गोष्ठियां, एरो स्पोर्ट्स गतिविधियां, वाटर स्पोर्ट्स प्रदर्शन, एमटीबी साइकिल रैली जैसे कार्यक्रम आयोजित कर रहा है। राणा ने बताया कि पर्यटन के क्षेत्र में प्रदेश के इन 25 सालों में बेहतरीन उपलब्धियां हासिल की हैं। बताया कि टिहरी झील लगातार साहसिक पर्यटन का हब बनती जा रही है। वाटर स्पोर्ट्स शो के दौरान आईटीबीपी, नेहरू युवा केंद्र और स्थानीय प्रशिक्षित युवाओं ने टिहरी झील में जेट स्की, बनाना राइडिंग, स्पीड बोट, पैरासेलिंग और फ्लाई बोर्ड पर कई करतब दिखाए। श्री गंगा भागीरथी बोट यूनियन के अध्यक्ष वीरेंद्र सिंह नेगी ने बताया कि टिहरी झील साहसकि पर्यटन की दृष्टि से देश- *विदेश में अपना स्थान बना रही है। कहा कि पर्यटन विभाग और टाडा को चाहिए कि यहां पर और पर्यटन सुविधाएं विकसित करें। प्रतिभागियों को विभाग की ओर से सम्मानित किया गया। इस मौके पर बोट यूनियन के सचिव मनीष रावत,उपाध्यक्ष नीरज कोषाध्यक्ष, दर्मियान सिंह नेगी आदि मौजूद थे। (एजेंसी)

योजना के प्रचार के लिए सहकारिता ज्ञान रथ रवाना

चमोली : सहकारिता मंत्री डॉ. धन सिंह रावत की पहल पर राज्य स्थापना दिवस की रजत जयंती के अवसर पर चमोली जिला सहकारी बैंक द्वारा सहकारिता ज्ञान रथ बनाया गया। बैंक प्रशासक मुख्य विकास अधिकारी डॉ. अभिषेक त्रिपाठी ने बैंक योजनाओं के प्रचार-प्रसार के लिए बहुउद्देशीय सहकारी समितियों में शून्य ब्याज दर पर दिए जाने वाले ऋण के लिए जिला सहायक निबंधक को अधिकृत किया। वैशाख सिंह राणा एवं सूर्यप्रकाश सिंह ने सहकारिता ज्ञान रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर बैंक के उपमहाप्रबंधक विश्वविजय सिंह, अनुभाग अधिकारी रोहन प्रताप नेगी, संजय सिंह, गौरव चन्द्र, शैलेंद्र रावत, नीरज हर्षपाल, नीतिन नेगी, राजेंद्र नेगी, अमित बडोनी, अंशुल, मधु कुंवर, चित्रा भट्ट, सुंदर राणा आदि बैंक कर्मचारी उपस्थित रहें। सहकारिता रथ दिनांक 9 अक्टूबर तक प्रचार सामग्री के माध्यम से जनपद के सुदूर क्षेत्रों में किसान कल्याण योजना, एनआरएलम, मुख्यमंत्री सौर स्वरोजगार योजना, पीएमईजीपी, पीएम सूर्य घर योजना, होमस्टे योजना, वीरचंद्र सिंह गढवाली पर्यटन योजना, पशुधन मिशन योजना, पीएम अजय योजना, रीप योजना, घस्यारी कल्याण योजना के साथ माइक्रो एटीएम के माध्यम से आम जन मानस का बैंक से जुड़ने का प्रचार-प्रसार कर राहकारिता के प्रति जागरूक किया जाएगा। (एजेंसी)

संत समाज ने मुख्यमंत्री धामी दी 'देवभूमि के धर्म-संरक्षक' की उपाधि

मुख्यमंत्री आवास में आध्यात्मिक संगम-आशीर्वाद, शुभकामनाएं और सांस्कृतिक दृष्टि का सम्मान

जयन्त प्रतिनिधि।

देहरादून : उत्तराखंड की रजत जयंती वर्ष के अवसर पर बुधवार को मुख्यमंत्री आवास आध्यात्मिक ऊर्जा और सांस्कृतिक सौहार्द का केंद्र बन गया, जब देशभर के प्रमुख संतों एवं धर्माचार्यों ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से भेंट कर राज्य की प्रगति, सांस्कृतिक संरक्षण और आध्यात्मिक समृद्धि के प्रति उनके प्रयासों की सराहना की।

संत समाज ने प्रदेश के लिए सकारात्मक बदलाव, विरासत संरक्षण और धार्मिक-सांस्कृतिक मानकों को सुदृढ़ करने वाले निर्णयों की प्रशंसा करते हुए मुख्यमंत्री को आशीर्वाद प्रदान किया और उन्हें ‌देवभूमि का धर्म-संरक्षक‌ बताया। संतों ने कहा कि मुख्यमंत्री धामी के नेतृत्व में उत्तराखंड आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और विकास की नई ऊंचाइयों की ओर अग्रसर है। मुख्यमंत्री आवास में आध्यात्मिक संगम में आचार्य महामंडलेश्वर कैलाशानंद गिरी जी महाराज, जूनापीठाधीश्वर आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरि जी, परमार्थ निकेतन, ऋषिकेश के अध्यक्ष पूज्य स्वामी चिदानंद सरस्वती जी, अखाड़ा परिषद अध्यक्ष स्वामी रविंद्रपुरी महाराज, बागेश्वर धाम पीठाधीश्वर पं. धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री, पतंजलि योगपीठ के आचार्य बालकृष्ण, प्रसिद्ध आध्यात्मिक वक्ता जया किशोरी, चिंतक और लेखक डॉ. कुमार विश्वास सहित अनेकों प्रतिष्ठित संत-महात्मा एवं धर्माचार्य भेंट करने वाले प्रमुख संत-महात्माओं में शामिल रहे। संतों ने कहा कि ‌मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने उत्तराखंड की सांस्कृतिक पहचान, आध्यात्मिक परंपरा और सामाजिक समरसता को मजबूत करने वाला नेतृत्व प्रदान किया है। उनके प्रयासों से देवभूमि की मूल आत्मा और सनातन विरासत सुरक्षित और सुदृढ़ हुई है ‌ उन्होंने राज्य सरकार की उन नीतियों की भी सराहना की जिनसे सामाजिक-सांस्कृतिक अनुशासन, धार्मिक स्थलों का संरक्षण, आध्यात्मिक पर्यटन विकास तथा परंपरा-संरक्षण को नया आयाम मिला है। संत समाज ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को आशीर्वाद देते हुए कहा कि हरिद्वार कुम्भ-2027 को भव्य, दिव्य और विश्व-स्तरीय आयोजन के रूप में स्थापित करने के लिए वे सरकार के साथ कंधे-से-कंधा मिलाकर कार्य करेंगे। संतों ने कहा कि कुम्भ केवल एक धार्मिक पर्व नहीं, बल्कि सनातन परंपरा, भारतीय संस्कृति और वैश्विक आध्यात्मिक चेतना का महासंगम है, जिसे ऐतिहासिक स्वरूप देना हम सबकी सामूहिक ज़िम्मेदारी है।

संत समाज ने दिया आश्वासन

हम सभी संत–महात्मा, अखाड़े और धर्म संस्थान एक परिवार की तरह एकजुट होकर कुम्भ की सफलता के लिए निरंतर योगदान देंगे। कुम्भ के आयोजन में चाहे आध्यात्मिक मार्गदर्शन हो या जन-आस्था का प्रबंधन, हर मोर्चे पर हमारा सहयोग निरंतर रहेगा।

सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक विकास का केंद्र बन रहा उत्तराखंड

संत समाज ने यह भी कहा कि उत्तराखंड आज तेजी से वैश्विक आध्यात्मिक केंद्र और शांति-स्थल के रूप में उभर रहा है, जिसका श्रेय राज्य सरकार की सांस्कृतिक दृष्टि और दूरदर्शी नेतृत्व को है। कार्यक्रम में उपस्थित सभी संतों और आध्यात्मिक गुरुओं ने प्रदेश वासियों के लिए मंगलकामनाएं व्यक्त कीं और उत्तराखंड की रजत जयंती को आध्यात्मिक रूप से ऐतिहासिक बनाने के लिए मुख्यमंत्री को आशीर्वाद दिया।

नदी को स्वच्छ व निर्मल रखने को मिलकर काम करने की जरूरत

नई टिहरी : बालगंगा महाविद्यालय सेंदुल केमर में नमामि गंगे के तहत नदी को स्वच्छ साफ व निर्मल बनाए रखने को लेकर आयोजित कार्यशाला में पर्यावरण संरक्षण के लिए मिलकर काम करने का लिया संकल्प। छात्र-छात्राओं के बीच पोस्टर, निबंध, पेंटिंग व सांस्कृतिक प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गई। कॉलेज सभागार में आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला के समापन पर गढ़वाल विश्वविद्यालय श्रीनगर के प्रो. डीएस नेगी ने कहा कि कोई भी कार्य मानव के लिए कठिन व असंभव नही है, उसको केवल मन लगाकर करना चाहिए। जिससे वह सफलता पा सकता है। उन्होंने कहा कि सफलता हासिल करने के लिए आत्मविश्वास होना जरूरी है। कहा कि युवाओं को तकनीकी के अपना कर आगे बढ़ाना चाहिए। पीजी कॉलेज नई टिहरी के डॉ. पीसी पैन्यूली ने कहा कि पृथ्वी में 75 प्रतिशत पानी है,लेकिन धारा पर पीने योग्य कम है। अगर ऐसा ही रहा तो वह दिन दूर नहीं होगा, जो पानी है वह पीने योग्य नहीं रहेगा। उन्होंने कहा कि गंगा उद्गम में स्वच्छ है,लेकिन आगे चलकर दूषित हो रही है, इसके दोषी मानव ही है। कॉलेज प्राचार्य डॉ.बीसी उनियाल ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रत्येक छात्र को अपने से जागरूकता लानी होगी। जिससे गंगा को स्वच्छ साफ रखने का संकल्प पूरा होगा। पारस ने नदी संरक्षण पर पीपीटी के माध्यम से गंगा के उद्गम से लेकर मुहाने तक व्याख्यान दिया।

पोस्टर प्रतियोगिता में लकी तिवारी प्रथम, प्रियांशी दूसरे, मनीष तीसरे स्थान पर रही। निबंध में आंचल प्रथम, विधाता द्वितीय, लक्की तिवारी तृतीय रही। वाद-विवाद प्रतियोगिता में ग्रुप ए पहले, ग्रुप बी दूसरे स्थान पर रहे। सांस्कृतिक कार्यक्रम में टीम सी प्रथम, टीम डी द्वितीय, टीम बी तृतीय स्थान पर रही है। विजेता प्रतिभागियों को नगद, ट्रॉफी भेंट कर सम्मानित किया गया।

श्री नंदा देवी राजजात के सफल आयोजन हेतु स्थानीय लोगों का सहयोग जरूरी

श्री नंदा देवी राजजात यात्रा मार्ग का जिलाधिकारी ने किया स्थलीय निरीक्षण

जयन्त प्रतिनिधि। चमोली : जिलाधिकारी गौरव कुमार और पुलिस अधीक्षक सुरजीत सिंह पंवार ने बुधवार को श्री नंदा देवी राजजात यात्रा मार्ग का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने श्री लाटू देवता मंदिर में पूजा-अर्चना कर आगामी नंदा देवी राजजात यात्रा के सफल आयोजन की कामना की। जिलाधिकारी की अध्यक्षता में ग्राम पंचायत वाण, लोहाजंग और मुंदोली में बैठक आयोजित की गई। बैठक में यात्रा मार्ग पर आवश्यक व्यवस्थाओं की समीक्षा की गई और विभागीय अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। इस दौरान ब्लॉक प्रमुख तेजपाल रावत ने ग्रामवासियों से कहा कि नंदा देवी राजजात एक सामूहिक आयोजन है और इसे सफल बनाने के लिए सभी को मिलजुलकर कार्य करना होगा।जिलाधिकारी गौरव कुमार ने सीडीओ को यात्रा मार्ग में आने वाले स्कूल, गेस्ट हाउस, पंचायत भवन, होमस्टे आदि संपत्तियों की मैपिंग कराने के निर्देश दिए। उन्होंने पार्किंग स्थलों का चिन्हिकरण, हेलीपैड से अप्रोच रोड तथा यात्रा के दौरान खाद्यान आपूर्ति बनाएं रखने हेतु के भंडारगृह की व्यवस्था सुनिश्चित कर लेने के सम्बंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होंने सम्बंधित विभागीय अधिकारियों को अस्थायी टेंट कॉलोनी, बिजली, पानी और नेटवर्क की व्यवस्थाएं तय समय पर पूर्ण करने को कहा। जिलाधिकारी ने सीएमओ को यात्रा के दौरान हेल्थ स्क्रीनिंग और अस्थायी अस्पताल की स्थापना करने के निर्देश दिए। उन्होंने पूरी यात्रा अवधि में सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट सिस्टम को प्रभावी रूप से लागू करने पर भी बल दिया। लोहाजंग में जिलाधिकारी ने वन विभाग के गेस्ट हाउस, पुलिस चौकी और पार्किंग स्थल का स्थालीय निरीक्षण कर जायजा लिया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक सुरजीत सिंह पंवार ने कहा कि इस बार यात्रा में अधिक संख्या में श्रद्धालुओं के आने की संभावना है, ऐसे में भीड़ नियंत्रण और सुरक्षा प्रबंधन के लिए बेहतर व्यवस्था की जाएगी।

आपदा प्रभावितों को मुआवजा देने की मांग

चमोली : नगर पालिका परिषद कर्णप्रयाग की सभासद रीना रावत ने जिलाधिकारी से मुलाकात कर बहुगुणानगर व सुभाषनगर में आपदा से प्रभावित परिवारों को मुआवजा देने की मांग उठाई है। सभाषद ने कहा कि कई वर्षों से जमीन धंसने के कारण कर्णप्रयाग के बहुगुणानगर एंव सुभाषनगर में 25 मकानों में दरारें आ रही हैं। जिसमें कुछ लोगों द्वारा अपने मकानों को छोड़ दिया गया है तथा कुछ लोग आज भी उन्ही टूटी मकानों पर अपना जीवन यापन कर रहे है। कहा कि उक्त प्रकरण में संबंध में पूर्व में आपदा सचिव ने दौरा किया, लेकिन कोई सकारात्मक कार्रवाई नहीं की गई। प्रभावितों द्वारा संबंधित प्रकरण में पुनः जांच करने का अनुरोध किया गया है। यदि उक्त प्रकरण का संज्ञान नहीं लिया जाता है तो आगामी वर्षाकाल में संबंधित मकानें पूर्वरूप से क्षति हो सकती है।

आरोपी शिक्षक एवं प्रभारी प्रधानाचार्य दोषी सिद्ध, दोनों का प्रशासनिक स्थानांतरण

जयन्त प्रतिनिधि। सतपुली : एकेश्वर ब्लॉक के राजकीय इंटर कॉलेज बग्याली में एक वर्ष पूर्व महिला शिक्षिका से मारपीट एवं अभद्र व्यवहार के आरोपों के सिद्ध होने पर आरोपी शिक्षक का प्रशासनिक स्थानांतरण जिले से बाहर दुर्गम क्षेत्र राजकीय इंटर कॉलेज पूर्वादलोगी टिहरी गढ़वाल कर दिया। साथ ही प्रभारी प्रधानाचार्य द्वारा आरोपी शिक्षक को स्वयं की मनमर्जी से राजकीय इंटर कालेज बग्याली में बिना किसी विभागीय आदेश के पुनः नियुक्ति देकर सात माह का वेतन आहरण का दोषी पाया गया। उनका प्रशासनिक स्थानांतरण राजकीय इंटर कॉलेज नोल बासर भिलंगना, टिहरी गढ़वाल कर दिया गया है। बता दें कि 17 अगस्त 2024 को राजकीय इंटर कॉलेज बग्याली की एक महिला शिक्षिका लीला रौथान द्वारा विद्यालय के ही शिक्षक जसपाल सिंह राणा पर मारपीट एवं अभद्र व्यवहार का आरोप लगाया गया। जिसकी शिकायत उन्होंने विभाग से की। विभाग द्वारा शिक्षक का स्थानांतरण जिले के ही अन्य विद्यालय में किया गया। परंतु शिक्षक द्वारा वहां कार्यभार ग्रहण नहीं किया गया तथा 8 माह बाद प्रधानाचार्य राजकीय इंटर कॉलेज बग्याली अरविंद अरोड़ा द्वारा अपनी मर्जी से शिक्षक जसपाल राणा को पुनः राईका बग्याली में कार्यभार ग्रहण करवा दिया गया। जिसकी शिकायत पीड़ित शिक्षिका द्वारा विभाग से की गई। परंतु विभाग ने मामले में गंभीरता नहीं दिखाई। शिक्षिका ने राज्य मानवाधिकार आयोग की शरण ली। आयोग द्वारा विभागीय लापरवाही को बेहद गंभीरता से लेते हुए शिक्षक जसपाल सिंह राणा और प्रधानाचार्य अरविंद अरोड़ा पर कार्यवाही का आदेश दिया गया। निदेशक माध्यमिक शिक्षा गढ़वाल मंडल कंचन देवराडी ने कहा कि विभाग ने अलग-अलग स्तर से तीन बार जांच की। जिसमें शिक्षिका द्वारा लगाए गए आरोपो की पुष्टि हुई है। तब विभाग ने दोनों शिक्षकों का प्रशासनिक स्थानांतरण दुर्गम क्षेत्र के विद्यालयों में किया गया। मानवाधिकार आयोग ने शिक्षा विभाग द्वारा महिला उत्पीड़न पर गंभीरता से कार्यवाही न करने को बेहद निराशाजनक बताया और विशाखा नियमावली का घोर उल्लंघन बताया। वहीं शिक्षिका ने माननीय मानवाधिकार आयोग का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि अब आशा है कि अब विभाग उन्हें उनके मूल विद्यालय में वापस भेज देगा। शिक्षिका घटना के बाद से अन्य विद्यालय में अटैच की गई है। खंड शिक्षाधिकारी गुंजन अमरोही ने कहा कि शिक्षिका को वापस मूल विद्यालय कार्यभार ग्रहण करवाने के लिए निदेशक माध्यमिक को पत्र भेजा गया है।

उत्तराखंड को देश का सर्वश्रेष्ठ राज्य बनाने के लिए सरकार प्रतिबद्ध : धामी

जयन्त प्रतिनिधि।

देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को लेखक गांव, थानों, देहरादून में आयोजित स्पर्श हिमालय महोत्सव-2025 के समापन सत्र में प्रतिभाग किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने लेखक गांव स्थित मंदिर में पूजा अर्चना कर प्रदेश में सुख शांति की कामना की। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार युवा पीढ़ी को साहित्य के प्रति आकर्षित करने के लिए भी विभिन्न प्रतियोगिताओं और कार्यक्रमों का आयोजन कर रही है। उत्तराखंड को देश का सर्वश्रेष्ठ राज्य बनाने के लिए राज्य सरकार विकल्प रहित संकल्प के साथ निरंतर कार्य कर रहे है। सभी साहित्यकारों, कलाकारों, विद्वानों और संस्कृति के साधकगणों के सहयोग से हम अपने इस संकल्प को सिद्धि तक पहुंचाने में अवश्य सफल रहेंगे।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने राज्य स्थापना की रजत जयंती उत्सव पर सभी आंदोलनकारियों को नमन करते हुए कहा कि लेखक गांव की परिकल्पना उन विचारों का प्रतीक है जो समाज को दिशा देते हैं, जो आने वाली पीढ़ियों को अपनी जड़ों से जोड़ते हुए भविष्य का निर्माण करना सिखाते हैं। उन्होंने कहा कि लेखक गांव में आयोजित यह महोत्सव, नई सृजन-यात्रा का आरंभ है। मुख्यमंत्री ने कहा राज्य सरकार साहित्य और संस्कृति के संरक्षण एवं प्रोत्साहन के लिए निरंतर कार्य कर रही है। राज्य में उत्तराखंड साहित्य गौरव सम्मान के माध्यम से उत्कृष्ट साहित्यकारों को सम्मानित एवं विभिन्न भाषाओं में ग्रंथ प्रकाशन के लिए वित्तीय सहायता योजना के तहत साहित्यकारों को अनुदान भी प्रदान किया जा रहा है। राज्य सरकार, प्रदेश के उत्कृष्ट साहित्यकारों को साहित्य भूषण और लाइफ टाइम अचीवमेंट पुरस्कार से भी सम्मानित करने का कार्य कर रही है। जिसमें 5 लाख तक की धनराशि देने की भी घोषणा की गई है। इस अवसर पर पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमेश पोखरियाल निशंक, पूर्व रक्षा सचिव डॉ. योगेन्द्र नारायण, ले.ज अनिल कुमार भट्ट (से.नि), पद्मश्री डॉ. हरमोहिन्दर सिंह बेदी, श्रीमती विदुषी निशंक एवं अन्य लोग मौजूद रहे।

विधायक ने मुख्यमंत्री को बताई स्वास्थ्य की समस्याएं

नई टिहरी : स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर घनसाली में चल रहे धरना-प्रदर्शनों के बीच विधायक शक्ति लाल शाह ने विधानसभा के विशेष सत्र के दौरान सीएम पुष्कर सिंह धामी से मुलाकात कर सेवाएं बेहतर करने का ज्ञापन सौंपा। उन्होंने सीएचसी बेलेश्वर अथवा पीएचसी पिलखी को उप जिला चिकित्सालय बनाने की मांग की। जिस पर सीएम धामी ने सचिव को इसे सीएम घोषणा में समाहित करने के निर्देश दिए। विधायक शाह ने मुख्यमंत्री को बताया कि घनसाली क्षेत्र के बेलेश्वर और पिलखी जैसे दूरस्थ क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं का अभी भी अभाव है। यहां के लोगों को गंभीर बीमारियों अथवा आपातकालीन स्थिति में नई टिहरी, श्रीनगर और देहरादून जैसे दूरस्थ स्थानों तक जाना पड़ता है। जिससे कई बार मरीज की जान तक खतरे में पड़ जाती है।

दुर्लभ पांडुलिपियों के संरक्षण के लिए 17 संस्थानों के साथ हुआ समझौता

नई टिहरी : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत की दुर्लभ पांडुलिपि विरासत के संरक्षण व डिजिटलिकरण के लिए केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय की ओर से शुरूज्ञान भारतम् मिशन के तहत देश के प्रमुख 17 संस्थानों के साथ समझौता किया गया है। उत्तराखंड की सुप्रसिद्ध संस्था नक्षत्र वेधशाला देवप्रयाग को इसके तहत कलस्टर केंद्र बनाकर समझौता किया गया है। नई दिल्ली स्थित मॉडर्न आर्ट गैलरी में आयोजित समारोह में केंद्रीय संस्कृति पर्यटन मंत्री गजेन्द्र शेखावत, संस्कृति सचिव विवेक अग्रवाल, संयुक्त सचिव समर नंदा, निदेशक इंद्रजीत सिंह, परियोजना निदेशक अनिर्वाण दास की उपस्थिति में इस समझौते में हस्ताक्षर किए गए। नक्षत्र वेधशाला की ओर से डॉ. प्रभाकर जोशी ने समझौते पर हस्ताक्षर किए। उन्होंने बताया कि संस्कृति मंत्रालय द्वारा आगामी पांच वर्षों में इसके तहत उत्तराखंड की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक बहुमूल्य पांडुलिपि धरोहर की खोज, संरक्षण, डिजिटलीकरण, संपादन, प्रकाशन आदि का काम किया जायेगा। कलस्टर केंद्र के तौर पर नक्षत्र वेधशाला देवप्रयाग प्रदेश की अन्य प्रमुख संस्थाओं, निजी पांडुलिपि संग्रहकर्ताओं के साथ समन्वय कर कार्य करेगा। संस्कृति मंत्रालय इसके लिए आवश्यक फंड व तकनीकी सहयोग प्रदान करेगा। मंत्रालय पांडुलिपियों का राष्ट्रीय डिजिटल भंडार भी स्थापित करेगा। ज्ञान भारतम् के तहत नक्षत्र वेधशाला देवप्रयाग सहित कश्मीर विवि, केंद्रीय बौद्ध अध्ययन केंद्र लेह, हिमाचल राज्य संग्रहालय शिमला, द एशियाटिक सोसाइटी कोलकाता, वृन्दावन शोध संस्थान, असम विवि सिलचर, सनातन ट्रस्ट तिरुपति, हिंदी साहित्य सम्मेलन प्रयागराज, नागरी प्रचारिणी सभा वाराणसी, आनंद आश्रम पुणे, नव नलांदा विवि बिहार, डॉ. एसएस गौड़ विवि सागर मप्र आदि समझौते में शामिल हैं। (एजेंसी)

यात्रा सीजन में शराब पीने वाले 60 लोगों पर 27 हजार का जुर्माना

रुद्रप्रयाग : ग्यारहवें ज्योर्तिलिंग भगवान केदारनाथ धाम की पवित्रता बनाए रखने के लिए एक ओर सरकार, प्रशासन और पुलिस धाम में अराजकता फैलाने वालों पर कार्रवाई कर रही है तो वहीं ऐसे लोग भी हैं जो निरंतर इस दिव्य स्थल की पवित्रता को लेकर सरकार के साथ ही एनजीटी तक लड़ाई लड़ रहे हैं। इस सीजन में धाम में शराब पीने वाले 60 लोगों पर 27 हजार का जुर्माना लगा है। यह खुलासा एक आरटीआई से हुआ है। नोएडा निवासी अमित गुप्ता एक पर्यावरण प्रेमी है जो उत्तराखंड में पर्यावरण के मुद्दों पर लगातार आवाज उठाते रहते हैं। साथ ही पर्यावरण संरक्षण के कई मामलों को लेकर एनजीटी में लड़ाई लड़ रहे हैं। उन्होंने पुलिस से केदारनाथ में शराब, सिगरेट और तम्बाकू पीने वालों पर उन्होंने सख्त कार्रवाई की मांग की है। पुलिस अधीक्षक कार्यालय द्वारा उन्हें दी गई सूचना में यह जानकारी मिली है। वर्ष 2025 की पूरी यात्रा में केदारनाथ धाम में पुलिस ने शराब पीने वालों 60 व्यक्तियों पर 27000 रुपये का बड़ा जुर्माना लगाया है। जबकि मंदिर के 50 मीटर के दायरे में रील बनाने वाले 600 लोगों पर कार्रवाई की गई। इन 600 लोगों से 268750 का जुर्माना वसूला गया। जबकि इसी यात्रा सीजन में केदारनाथ धाम में सिगरेट में तंबाकू का प्रयोग करने वाले 12 व्यक्तियों पर 1050 रुपए का बड़ा जुर्माना लिया गया। पर्यावरण प्रेमी अमित गुप्ता ने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि धाम की पवित्रता बनाए रखने के लिए सरकार, प्रशासन और पुलिस को ऐसी गतिविधियों को रोकने के लिए कड़ी कार्रवाई करनी होगी। कहा कि छोटी धनराशि के जुर्माने से ऐसे लोगों पर ज्यादा असर नहीं पड़ेगा, इसके लिए इससे भी अधिक जुर्माना और कठोर कार्रवाई का प्राविधान करना होगा, ताकि देवभूमि में पवित्र तीर्थस्थलों की मर्यादा और महत्व बना रहे। अक्षय प्रहलाद कोंडे, पुलिस अधीक्षक ने बताया कि केदारनाथ धाम में हर अनैतिक गतिविधि पर पुलिस की सख्त नजर रहती है। इस साल कई लोगों के खिलाफ शराब और सिगरेट पीने के साथ ही 50 मीटर दायरे में रील बनाने को लेकर सख्त कार्रवाई की गई। आगामी यात्रा सीजन में भी पुलिस धाम की मर्यादा और यहां के धार्मिक महत्व के खिलाफ कार्य करने वाले लोगों पर इससे भी कड़ी कार्रवाई करेगी। (एजेंसी)

सड़क का डामरीकरण न होने से जाख गांव के लोग नाराज

नई टिहरी : जाख गांव के ग्रामीणों ने डीएम नितिका खंडेलवाल को शिकायत पत्र प्रेषित कर कुट्ठा-जाख-डोबरा मोटर मार्ग के 3 किलोमीटर रोड के डामरीकरण की मांग करते हुए रोष जाहिर किया कि जिला योजना में प्रस्तावित इस कार्य को सालों बाद भी पूरा नही किया गया है। ग्रामीणों ने कहा सड़क के कारण पर्यटन की दृष्टि से महत्वपूर्ण गांव जाख को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। डीएम को लिखे पत्र में ग्रामीण जयेंद्र पंवार ने अवगत कराया है कि इस सड़क के कटिंग का कार्य वर्ष 2021 में पूर्ण हो गया था। लेकिन आज तक डामरीकरण नहीं किया गया। 2024 में स्थानीय विधायक व डीएम की मौजूदगी में जाख की 3 किमी सड़क को जिला योजना से डामरीकृत करवाने की बात भी रखी गई, लेकिन इस पर भी कोई कार्यवाही नहीं हुई। जिसका परिणाम है कि सालों बाद पर्यटन की दृष्ट से अहम व पर्यटन गतिविधियों के केंद्र जाख गांव की सड़क का डामरीकरण नहीं हो पाया हे। जिससे ग्रामीणों में खासा रोष व्याप्त है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि जल्दी ही डामरीकरण नहीं किया गया, तो ग्रामीण आंदोलन को मजबूर होंगे। (एजेंसी)

दो अनशनकारियों के स्वास्थ्य में आई गिरावट

रुद्रप्रयाग : मुख्यालय स्थित लोक निर्माण कार्यालय परिसर में धरने पर बैठे तीन अनशनकारियों में से दो के स्वास्थ्य में गिरावट आ गई है। स्वास्थ्य जांच को आई डॉक्टरों की टीम ने पाया कि एक का सूगर लेबल बढ़ा गया है जबकि दूसरे को यूरिनल दिक्कत होने लगी है।

इधर, बीती सांय वार्ता के बाद एक संयुक्त टीम क्षेत्र में सड़क को लेकर स्थलीय निरीक्षण को बांगर क्षेत्र में रवाना हो गई है। जनपद के पूर्वी और पश्चिमी बांगर क्षेत्र को जोड़ने के लिए बधाणीताल से भुनाल गांव भेडारू तक प्रस्तावित 9 किलोमीटर मोटर मार्ग निर्माण की मांग को लेकर लोनिवि परिसर में अनशन तीसरे दिन भी जारी रहा। इस दौरान पूर्वी एवं पश्चिमी बांगर संघर्ष समिति के नेतृत्व में ग्रामीणों ने शासन-प्रशासन से शीघ्र कार्यवाही की मांग की है। बुधवार सुबह डॉक्टरों की टीम तीन अनशनकारियों के स्वास्थ्य की जांच के लिए लोनिवि परिसर पहुंची।

जहां डॉक्टरों ने बारी-बारी तीनों का स्वास्थ्य परीक्षण किया। इस दौरान अनशन पर बैठे 84 वर्षीय केदार सिंह को यूरिनल दिक्कत होने लगी है, जबकि संघर्ष समिति के अध्यक्ष 65 वर्षीय शिव लाल आर्य का सूगर लेबल बढ़ गया है। 75 वर्षीय गेंणू लाल के भी वजन में कमी आने लगी है। ग्रामीणों ने एक स्वर में धरना स्थल पर सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए शीघ्र सड़क निर्माण की मांग पूरी करने को कहा है। कहा कि तब तक आंदोलन जारी रहेगा। इधर, बीती सायं लोनिवि के ईई इन्द्रजीत बोस ने अनशनकारियों से वार्ता की। जबकि बुधवार सुबह वन विभाग, राजस्व और लोनिवि के अधिकारियों की एक संयुक्त टीम बांगर क्षेत्र रवाना हो गई है जो क्षेत्र का स्थलीय निरीक्षण करेगी। साथ ही सड़क निर्माण की संभावना और वन भूमि को लेकर प्राथमिक जानकारी लेगी। बुधवार को धरना स्थल पर विजय बैरवाण, योगम्बर सिंह, मुकेश बैरवाण, चन्द्र प्रताप सिंह, हिमांशु बैरवाण, बसुदेव, प्रदीप थपलियाल, वीरेंद्र बुटोला, ज्येष्ठ प्रमुख नवीन सेमवाल, अजय पुंडीर, सुरेंद्र नेगी, सज्जन सिंह, जसपाल लाल, राजेश बांगर, राजबर बांगर आदि मौजूद थे। (एजेंसी)

बैकुंठ चतुर्दशी पर थानेश्वर महादेव में तीन निःसंतान दंपतियों ने किया खड़ा दिया अनुष्ठान

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : श्रीनगर की तर्ज पर प्राचीन पौराणिक सिद्धपीठ थानेश्वर महादेव मंदिर में एक दिवसीय बैकुंठ चतुर्दशी मेला निर्विघ्न शांति पूर्वक संपन्न हो गया है। इस वर्ष 5 निःसंतान दंपतियों ने खड़ा दिया अनुष्ठान के लिए पंजीकृत करवाया था लेकिन अंतिम समय में दो दंपतियों ने किन्हीं कारणों से पंजीकृत निरस्त कर दिया, जिसमें तीन निःसंतान दंपतियों ने खड़ा दीवा अनुष्ठान किया। इस मौके पर मंदिर समिति के सचिव एवं मंदिर के पुरोहित ऋषिभलभ डुकलाण, विजय सिंह नेगी को सम्मानित किया गया। विशाल भंडारे और रात्री जागरण में जलपान व्यवस्था नरेंद्र सिंह नेगी एवं विमल रावत थनूल निवासी की ओर से की गई।

क्षेत्र का आस्था और विश्वास केंद्र कहे जाने वाला पौराणिक ऐतिहासिक बैकुंठ चतुर्दशी मेले का शुभारंभ मुख्यातिथि जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्रीमती आरती नेगी के प्रतिनिधि जिला पंचायत सदस्य श्रीमती सविता देवी, विशिष्ट अतिथि पूर्व जिला पंचायत सदस्य एवं क्षेत्र पंचायत सदस्य संजय डबराल मिंटू, क्षेत्र पंचायत सदस्य श्रीमती कविता देवी, क्षेत्र पंचायत सदस्य श्रीमती अंजू देवी, उत्तराखंड क्रिकेट टीम के सदस्य हर्ष वर्धन नेगी ने शिव ध्वजा को मंदिर में स्थापित कर किया। इस मौके पर जिला पंचायत सदस्य श्रीमती सविता देवी गढ़कोट ने कहा कि हमारे क्षेत्र का यह ऐतिहासिक बैकुंठ चतुर्दशी मेला हमारी क्षेत्र की धरोवर है। इसको संरक्षित रखना और इस धार्मिक मेले की आस्था बनाएं रखाना सभी पंचायत प्रतिनिधियों की जिम्मेदारी है। क्षेत्र पंचायत सदस्य गढ़कोट श्रीमती कविता देवी ने बताया कि मैंने स्वयं 2007 में इस मंदिर में बैकुंठ चतुर्दशी पर खड़ा दीवा अनुष्ठान किया, मुझे चार पुत्रियों के बाद पुत्र रत्न प्राप्त हुआ। थानेश्वर महादेव की मेरे और मेरे परिवार पर हमेशा असीम कृपा रही है। उन्होंने कहा कि वह मंदिर के विकास के लिए हर संभव प्रयास करेगी। मंदिर समिति के अध्यक्ष जगमोहन डांगी ने मेला शान्ति पूर्वक संपन्न कराने में सहयोग के लिए मंदिर समिति के सदस्यों एवं क्षेत्रवासियों का आभार व्यक्त किया। इस मौके पर क्षेत्र पंचायत सदस्य घंडियाल श्रीमती अंजू रावत, क्षेत्र पंचायत सदस्य थैर श्रीमती नीलम देवी, ग्राम पंचायत थापला प्रधान राकेश कुमार, प्रधान देवेंद्र सिंह रावत, मंदिर समिति के कार्यकारी अध्यक्ष मनमोहन सिंह रावत, नरेंद्र सिंह नेगी, विनोद रावत, प्रमोद रावत, महिला मंगल दल अध्यक्ष श्रीमती बसंती देवी, मुकेश रावत, मंगल सिंह लिंगवाल, आरपी नैथानी, सेवानिवृत प्रधानाचार्य दीनदयाल सिंह, महंत गंगा भारती महाराज आदि मौजूद थे। कार्यक्रम का संचालन मंदिर समिति के अध्यक्ष जगमोहन डांगी ने किया।

माया और मृणाल के गीतों पर थिरके लोग

चमोली : गैरसैंण कृषि उद्यान एवं पर्यटन विकास मेले की दूसरी संध्या प्रसिद्ध कुमाउंनी गायिका माया उपाध्याय और युवा गढ़वाली लोक गायक मृणाल रतूड़ी के नाम रही।

इनके गाये गानों से पूरा पांडाल थिरकने पर मजबूर हो गये। माया उपाध्याय ने उत्तराखंड में गंगा जमुना, जैजे पंच प्रयाग, लबरा छोरी हाय हाय, हाय ककड़ी झिले मां लून पीसो सिला मां.. तो युवा गायक मृनाल रतूड़ी ने जागर जै मां भगवती, राज राजेश्वरी के बाद मोहनी, गैरसैंण बाजारा, चल स्याली कोथीक, रमझमा, छैला मेरी छैला.. की शानदार प्रस्तुतियां दी जिन पर खास कर युवा थिरकने को मजबूर हो गये। (एजेंसी)

जयन्त

संस्थापक

स्व.नरेन्द्र उनियाल

प्रकाशक,मुद्रक और स्वामी

नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस से मुद्रित तथा बद्रीनाथ मार्ग कोटद्वार (गढ़वाल) से प्रकाशित

—सम्पादक

नागेन्द्र उनियाल

आर.एन.आई. 35469/79

फोन/फैक्स 01382—222383

मो. 8445596074, 9412081969

e-mail:

nagendra.uniyal@gmail.com